कोटद्वार,रविवार
2 जून 2024
वर्ष: 46
अंक: 42 पृष्ठ: 8
मूल्य: 2.00
RNI No.UTTHIN/2005/16338

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

एक नजर

हेमकुंड साहिब में हिमपात हुआ

चमोली : हेमकुंड साहिब में शनिवार को अपराह्न बाद हिमपात हुआ। बर्फ की फाहों के बीच श्रद्धालुओं ने जो बोले सो निहाल सत श्री अकाल के जय घोष के साथ हेमकुंड साहिब के दर्शन किये और गुरुद्वारे में मत्था टेका। गोविन्द घाट हेमकुंड साहिब गुरुद्वारा के प्रबंधक सरदार सेवा सिंह ने बताया शनिवार को अपराह्न बाद हेमकुंड साहिब में 5–6 इंच तक हिमपात हुआ। आधे घंटे से अधिक समय तक हिमपात हुआ। उसके बाद मौसम साफ हो गया। बताया हेमकुंड साहिब की यात्रा सुचारु रूप से जारी है।

कार खाई में गिरी, तीन लोग गंभीर

नई टिहरी : जौनपुर ब्लॉक के थत्यूड़-नैनबाग मोटरमार्ग के पीपलखेत के पास शुक्रवार रात को एक कार अनियंत्रित होकर सड़क से नीचे गहरी खाई में जा गिरी। दुर्घटना में कार सवार तीन लोग गंभीर घायल हो गए। पुलिस व स्थानीय लोगों ने घायलों को उपचार के लिए सीएचसी थत्यूड़ में भर्ती कराया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद घायलों को हॉयर सेंटर रेफर किया गया। थानाध्यक्ष थत्यूड़ विनोद कुमार ने बताया कि, बीते शुक्रवार रात्रि करीब 10 बजे एक कार पीपलखेत के पास गहरी खाई में गिर गई। जिसमें देवेंद्र बिष्ट, पुत्र किशन बिष्ट निवासी मल्लीताल नैनीताल, डॉ. अजय पुरसोड़ा पुत्र देवचंद पुरसोड़ा निवासी कंडीसौड़ छाम तथा विकास उनियाल पुत्र वीर चंद उनियाल निवासी उनियाल गांव चंबा गंभीर घायल हो गए। घायलों को स्थानीय ग्रामीणों और पुलिस ने एंबुलेंस से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें हायर सेंटर देहरादून रेफर कर दिया। (एजेंसी)

अब तक 5.88 लाख श्रद्धालुओं ने किए बाबा केदार के दर्शन

रुद्रप्रयाग : केदारनाथ धाम में दर्शनों के लिए लगातार तीर्थयात्रियों का सैलाब उमड़ रहा है। प्रतिदिन करीब 20 हजार यात्री दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं। 22 दिनों की यात्रा में अब तक 5 लाख 88 हजार 7 सौ 90 तीर्थयात्रियों ने बाबा केदार के दर्शन किए हैं। केदारनाथ धाम की यात्रा इन दिनों चरम पर हैं। स्कूलों में ग्रीष्मकालीन अवकाश होने के बाद यात्रियों की संख्या में इजाफा हो गया है। बदरी-केदार जाने वाले श्रद्धालुओं के वाहन सड़कों पर दौड़ रहे हैं। यात्रा के बेहतर संचालन और तीर्थयात्रियों को किसी तरह की कोई परेशानी न हो इसके लिए जिला प्रशासन निरंतर व्यवस्थाओं में सुधार कर रहा है। विशेष तौर पर पैदल यात्रा मार्ग पर श्रद्धालुओं की बेहतर सुगम यात्रा के लिए रोजाना निरीक्षण, समीक्षा और एक्शन किए जा रहे हैं। आने वाले दिनों में प्रतिदिन दर्शन की संख्या में बढ़ोतरी होने की संभावना है। अभी तक 22 दिनों की यात्रा में दर्शनों के लिए पहुंचे यात्रियों के लिए पिछले रिकार्ड टूट गए हैं। 22 दिनों की यात्रा में 5 लाख 88 हजार 7 सौ 90 तीर्थयात्रियों के दर्शन करने का आंकड़ा अब तक का सबसे अधिक आंकड़ा है। अपर जिलाधिकारी श्याम सिंह राणा ने बताया कि केदारनाथ यात्रा में यात्रियों को किसी तरह की परेशानी न हो इसके लिए प्रशासन दिन रात सुविधाओं को बेहतर करने में जुटा है। आने वाले समय को देखते हुए और अच्छी व्यवस्थाएं की जा रही हैं। (एजेंसी)

केदारनाथ पहुंची दूसरी एसयूवी थार

रुद्रप्रयाग : चिनूक हेलीकॉप्टर की मदद से शनिवार को दूसरी एसयूवी थार कार को भी केदारनाथ धाम पहुंचा दिया गया है। केदारनाथ में अब दो कारें हर समय मेडिकल इमरजेंसी के अलावा वीवीआईपी निरीक्षण के लिए मौजूद रहेंगी। दोनों कारों को लोनिवि डीडीएमए के केदारनाथ स्थित स्टोर में रखा गया है। बता दें कि वर्ष 2014 के बाद यह दूसरा मौका है जब केदारनाथ धाम में चिनूक की मदद से एसयूवी थार को पहुंचाया गया है।

इससे पहले केदारनाथ धाम में तत्कालीन समय में पुर्ननिर्माण में जुटी नेहरू पर्वतारोहण संस्थान द्वारा ऑल टेरेन वाहन को पहुंचाया गया। तब इसे एक अजूबे की तरह देखा गया। हालांकि इसके बाद कई मौकों पर एटीवी का उपयोग किया गया।

श्रद्धालुओं को सुविधा और सुरक्षा देना सरकार की प्राथमिकता : धामी

● सीएम ने बदरीनाथ पहुंचकर यात्रा व्यवस्थाओं का लिया जायजा ● सीएम ने बदरी विशाल के दर्शन और पूजा कर देश और प्रदेश की खुशहाली के लिए की प्रार्थना

जयन्त प्रतिनिधि। चमोली : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शनिवार को बदरीनाथ पहुंच कर श्रद्धालुओं की सुविधाओं और यात्रा व्यवस्थाओं का स्थलीय निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री ने यात्रा प्रबंधन से जुड़े विभागों को बद्रीनाथ धाम में श्रद्वालुओं की सुविधा, सुरक्षा और सुगमता का ध्यान रखते हुए यात्रा व्यवस्थाओं को चाक चौंबद रखने के निर्देश दिए। ताकि यात्रा सुचारू और व्यवस्थित तरीके से चलती रहे और श्रद्वालुओं को बद्रीनाथ धाम में सुगमता से दर्शन होते रहे।

निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने देश के विभिन्न क्षेत्रों से आये श्रद्धालुओं से बातचीत कर उनसे व्यवस्थाओं का फीडबैक भी लिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि बदरीनाथ में पर्याप्त संख्या में होटल एवं ठहरने की क्षमता है। लोगों को सुविधा और सुरक्षा मिले यह हमारी प्राथमिकता है।मुख्यमंत्री ने श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए टोकन काउंटर, क्यू मैनेजमेंट, कंट्रोल रूम, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य आदि सुविधाओं की जानकारी ली और अधिकारियों को आपसी सामंजस्य से कार्य करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि श्रद्धालुओं की सुगम, सुरक्षित एवं सुविधाजनक चार धाम यात्रा के लिए राज्य सरकार लगातार कार्य कर रही है। धामों की क्षमता के अनुसार यात्रा संचालित की गई है और अब यात्रा पूरी तरफ से व्यवस्थित है। श्रद्धालुओं को सुगमता से दर्शन के अवसर मिल रहे है। यात्रा सुचारु रूप से चल रही है। स्थानीय स्टेक होल्डर्स के बदरीनाथ धाम के लिए यात्रियों की संख्या बढ़ाने के प्रस्ताव पर सीएम ने कहा कि इसका आंकलन किया जाएगा और धाम में क्षमता के अनुसार यात्रियों की संख्या बढ़ायी जाएगी। इस दौरान मुख्यमंत्री ने श्री बदरी विशाल के दर्शन और पूजा कर देश और प्रदेश की खुशहाली की कामना भी की। मंदिर समिति के उपाध्यक्ष किशोर पंवार ने बद्री प्रसाद भेंट कर मुख्यमंत्री का स्वागत किया। इस मौके पर पुलिस अधीक्षक सर्वेश पंवार, एसडीएम सीएस वशिष्ठ, सीओ प्रमोद शाह, बीकेटीसी उपाध्यक्ष किशोर पंवार, ईओ सुनील पुरोहित आदि मौजूद थे।

उत्तराखंड में एग्जिट पोल के अनुसार भाजपा को मिल रहीं 5 सीटें

● अनिल बलूनी वाली सीट पर कर दी यह भविष्यवाणी

देहरादून, चुनाव खत्म होने के बाद विभिन्न एजेंसियों के एग्जिट पोल आने शुरु हो गए हैं। कई एजेंसियां भाजपा–एनडीए को बहुमत दे रही हैं। आजतक एक्सिस माय इंडिया सर्वे के अनुसार उत्तराखंड में 5 लोकसभा सीटों पर भाजपा परचम लहरा रही है।एजेंसी के अनुसार भाजपा को 60 फीसद वोट मिला है। वहीं कांग्रेस को 35 फीसद वोट मिला है। सर्वे के अनुसार पौड़ी गढ़वाल से अनिल बलूनी जीत दर्ज कर रहें। वहीं कांग्रेस के गणेश गोदियाल को हार का सामना करना पड़ रहा है। क्योंकि कयास लगाए जा रहे थे कि पौड़ी गढ़वाल वाली सीट पर कांग्रेस जीत दर्ज कर सकती है। हालांकि अंतिम तस्वीर 4 जून को ही साफ होगी। एग्जिट पोल पर उत्तराखंड मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा है कि सभी एग्जिट पोल में भाजपा को बहुमत दिखाया गया है। यह आंकड़े चार जून को और आगे बढ़ेंगे।

आंधी तूफान से गिरे पेड़, 1 की मौत, 12 घायल

अल्मोड़ा। शनिवार को दोपहर में आए अंधड़ के दौरान जनपद अंतर्गत रानीखेत क्षेत्र में पेड़ गिरने से 03 हादसों में 01 की मौत हो गई और 12 लोग घायल हो गए। रानीखेत में चल रहे उर्स मेले में शनिवार दोपहर के समय आए जबरदस्त आंधी–तूफान से पेड़ गिरने से हादसा हो गया जिसमें एक शख्स की मौत हो गई और 08 गंभीर घायल हो गए। शनिवार को दोपहर में आए अंधड़ के बीच कई दुकानों के टेंट उखड़ गए। वहीं, एक विशाल पेड़ गिरने से कई लोग उसके नीचे दब गए। हादसे में एक शख्स की दर्दनाक मौत हो गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार शनिवार दोपहर करीब डेढ़ बजे रानीखेत में चल रहे उर्स मेले के बीच अचानक तेज आंधी–तूफान आने से अफरा–तफरी मच गई। धूल भरी आंधी के साथ कई दुकानों में लगे तिरपाल उखड़ गए। लोग कुछ कर पाते इससे पहले एक विशाल पेड़ जोरदार आवाज के साथ मेला स्थल पर गिरा। जिसमें कई लोग दब गए। बताया जा रहा है कि इस हादसे में एक 50 साल के व्यक्ति की मौत हो गई है। 08 लोग घायल हैं। घायलों में कृष्णा (15 वर्ष) पुत्र कमल निवासी

बमस्यू रानीखेत, सरताज पुत्र इकराज निवासी सितारगंज उधम सिंह नगर, हिमांशु बिष्ट पुत्र पूरन सिंह बिष्ट निवासी बमस्यू रानीखेत, मेघा (21 वर्ष) पुत्री बिपिन चंद्र निवासी जरूरी बाजार रानीखेत, राजपाल (52 वर्ष) पुत्र टीकाराम निवासी बाजपुर उधम सिंह नगर, कमरू खान पुत्र अब्दुल राशिद निवासी बाजपुर उम्मम सिंह नगर, नबी अहमद (35 वर्ष) पुत्र मोहम्मद अहमद निवासी रामपुर उत्तर प्रदेश, नासिर (26 वर्ष) पुत्र मोहम्मद अनीफ निवासी बाजपुर उधम सिंह नगर को राजकीय चिकित्सालय रानीखेत भर्ती कराया गया है।

मतदान के बीच पश्चिम बंगाल में बवाल, तालाब में फेंकी ईवीएम, दो गुटों में संघर्ष

कोलकाता,देश की 18वीं लोकसभा के लिए हो रहे चुनाव में शनिवार 1 जून को अंतिम चरण का मतदान हो रहा है. इस बीच कहीं खुशी तो कहीं गम का माहौल है. दरअसल पश्चिम बंगाल में एक बार फिर हिंसक घटनाओं की खबरें सामने आ रही हैं. सातवें चरण में पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना के कुलतली में अचानक भीड़ भडक़ उठी. गुस्साए लोग अचानक मतदान केंद्र में घुसे और ईवीएम को उठा लिया. इसके बाद इन लोगों ने ईवीएम को ले जाकर तालाब में भी फेंक दिया.लोगों की इस हरकत की वजह से इस पोलिंग बूथ पर वोटिंग

प्रभावित हो गई. पोलिंग बूथ पर पहुंचे लोग वोटिंग का ही बहिष्कार करने लगे. गुस्साए लोगों ने वोटर वेरिफाइड पेपर ऑडिट ट्रेल से लैस ईवीएम को जबरन ले जाकर तालाब में फेंक दिया. वहीं कुछ लोगों ने ईवीएम पर पहले पानी डाला और इसके बाद इसे ले जाकर तालाब में फेंका. इस घटना का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है.

दूसरी तरफ पश्चिम बंगाल के ही जादवपुर से भी हिंसक घटनाओं की खबरें सामने आ रही हैं. भांगर के सतुलिया इलाके में भी तनाव बढऩे से हालात बिगड़ गए हैं. सुबह भारतीय धर्मनिरपेक्ष मोर्चा (आईएसएफ) और सीपीआई (एम) के कार्यकर्ताओं पर हमलें के भी आरोप लगे हैं.

राजाजी टाइगर रिजर्व में खुशी का माहौल, नन्हे शावक के साथ कैमरे में ट्रैप हुई बाघिन

हरिद्वार। राजाजी टाइगर रिजर्व में जिस उद्देश्य को लेकर टाइगर ट्रांसलोकेसन का काम किया गया था, वह काफी हद तक सफल होता नजर आ रहा है। पिछले दिनों टाइगर रिजर्व में चार शावकों के जन्म के बाद अब एक बार फिर शावक के जन्म लेने का समाचार है। टाइगर रिजर्व प्रशासन के अनुसार, पार्क के पश्चिमी छोर में एक बाघिन नन्हें शावक के साथ नजर आयी है। कैमरा ट्रैप में नन्हे शावक के साथ दिखी यह बाघिन और शावक पूर्णतया स्वस्थ दिख रहे है। पार्क प्रशासन उन पर नजर बनाए हुए है। कुछ दिनों पूर्व पार्क के इसी इलाके में जिम कॉर्बेट से ट्रांसलोकेट की गई एक बाघिन ने चार शावकों को जन्म दिया था।

राजाजी प्रशासन व वन विभाग उत्साहित

राजाजी प्रसाशन व वन विभाग इसे लेकर बेहद उत्साहित है। इसके बाद पार्क प्रशासन पांचवें बाघ के जल्द ट्रांसलोकेट करने की तैयारियों में जुट गया है।

सलमान खान को एके–47 से छलनी करने की साजिश नाकाम

● लॉरेंस बिश्नोई गैंग के 4 शूटर गिरफ्तार

मुंबई, नवी मुंबई पुलिस ने बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान की हत्या की एक और साजिश का खुलासा किया है. लॉरेंस बिश्नोई गिरोह ने कथित तौर पर पाकिस्तानी हथियार सप्लायर से प्राप्त हथियारों से लैस, महाराष्ट्र के पनवेल में सलमान खान की कार पर हमला करने की साजिश रची थी. मामले में नवी मुंबई पुलिस ने स्न्रढ्ढक्र दर्ज कर इस साजिश से जुड़े चार लोगों को गिरफ्तार कर लिया है. बता दें कि, इससे पहले 14 अप्रैल को सलमान के मुंबई के बांद्रा में वाले फ्लैट के बाहर दो बाइक सवार लोगों ने गोलीबारी की थी. पुलिस सूत्रों के

अनुसार, जेल में बंद गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई ने अपने कनाडा स्थित चचेरे भाई अनमोल बिश्नोई और सहयोगी गोल्डी बरार के साथ कथित तौर पर एक पाकिस्तानी हथियार डीलर से एके–47, एम–16 और अन्य हाई कैलिबर हथियारों के साथ सलमान खान के वाहन पर घात लगाकर हमला करने या उनके फार्महाउस पर हमल

गौरतलब है कि, सलमान खान के बांद्रा स्थित आवास के बाहर गोलीबारी की घटना के बाद, पुलिस ने चार संदिग्धों को गिरफ्तार किया था, जिसमें विक्की गुप्ता और सागर पाल को गुजरात में पकड़ा गया, जबकि अनुज थापन और एक अन्य व्यक्ति को 26 अप्रैल को पंजाब में हिरासत में लिया गया था. इस गोलीबारी में कुल मिलाकर, छह गिरफ्तारियां की गई हैं, हालांकि अनुज थापन की पुलिस हिरासत में मौत हो गई.

वहीं दूसरी ओर पुलिस हिरासत में थापन की मौत ने मामले में कई सवाल खड़े कर दिए हैं.

जलवायु संकट और भारत

अशोक शर्मा

वर्ष 2015 के पेरिस जलवायु सम्मेलन में यह तय हुआ था कि वैश्विक तापमान को औद्योगिक युग से पहले के तापमान से 1. 5 डिग्री सेल्सियस से अधिक नहीं बढ़ने दिया जायेगा। लेकिन अब विशेषज्ञों का मानना है कि यदि वर्तमान नीतियों पर ही दुनिया चलती रही, तो इस लक्ष्य को पूरा करना असंभव है। कुछ समय पहले संयुक्त राष्ट्र के महासचिव ने विकसित देशों और बड़ी कंपनियों की आलोचना करते हुए कहा था कि ये सभी वादे तो बड़े–बड़े करते हैं, पर उसे पूरा नहीं करते। हालांकि भारत को अपनी विकास आकांक्षाओं को साकार करने के लिए बड़ी मात्रा में ऊर्जा की आवश्यकता है तथा उसके लिए जीवाश्म ईंधनों पर निर्भरता में बड़ी कटौती कर पाना कठिन है, फिर भी भारत ने स्वच्छ ऊर्जा के उत्पादन और उपभोग को बढ़ाने को अपनी नीतिगत प्राथमिकता बनाया है। उल्लेखनीय है कि अमेरिका, चीन और यूरोप के अनेक विकसित देशों की तुलना में भारत में प्रति व्यक्ति कार्बन उत्सर्जन बहुत कम है।

यह अमेरिका में 14. 44, चीन में 8. 85 और जर्मनी में 8. 16 मेट्रिक टन है, जबकि भारत में प्रति व्यक्ति कार्बन उत्सर्जन केवल 1. 91 मेट्रिक टन है। भारत ने 2030 तक 500 गीगावाट हरित ऊर्जा उत्पादित करने का लक्ष्य निर्धारित किया है। ग्लासगो जलवायु सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा था कि भारत 2070 तक अपने कार्बन उत्सर्जन को शून्य के स्तर पर लाने की दिशा में अग्रसर है। कुछ समय पहले राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन की घोषणा की गयी है।

अंतरिम बजट में कृषि अवशिष्टों के ऊर्जा स्रोत में बदलने के लिए वित्तीय उपायों की घोषणा हुई है। कुछ दिन पहले प्रधानमंत्री मोदी ने सूर्योदय योजना की घोषणा की है, जिसके अंतर्गत निम्न आय वर्ग के एक करोड़ घरों पर सोलर पैनल लगाये जायेंगे। बजट में प्रावधान किया गया है कि इन घरों को मुफ्त बिजली भी मिलेगी और वे अपने यहां उत्पादित बिजली के अधिशेष को बिजली ग्रिडों को बेचकर कमाई भी कर सकेंगे।

पेरिस जलवायु सम्मेलन के बाद ही भारत और फ्रांस के नेतृत्व में अंतरराष्ट्रीय सोलर अलायंस का गठन हुआ था, जिसमें 125 से अधिक देश शामिल हो चुके हैं। इस प्रकार भारत न केवल देश में वैकल्पिक और अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में प्रयासरत है, बल्कि वह वैश्विक सहभागिता को भी प्रोत्साहित कर रहा है। दुबई जलवायु सम्मेलन में भारत ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय को जानकारी दी थी कि 2021–22 में भारत ने 13। 35 लाख करोड़ रुपये जलवायु प्रयासों पर खर्च किया है, जो सकल घरेलू उत्पादन का लगभग 5। 6 प्रतिशत हिस्सा है। अगले सात वर्षों में इन कोशिशों पर 57 लाख करोड़ रुपये अतिरिक्त खर्च की उम्मीद है।

ग्रामीण भारत में 25 प्रतिशत किशोर दूसरी कक्षा की किताब नहीं पढ़ सकते

ग्रामीण भारत में 14 से 18 साल के 25 प्रतिशत किशोर दूसरी कक्षा की किताब नहीं पढ़ सकते और लगभग 60 प्रतिशत पैमाने से ठीक से नाप नहीं ले सकते। ऐसे आंकड़े यह इंगित करते हैं कि ग्रामीण क्षेत्र में हमारी स्कूली व्यवस्था की गुणवत्ता निम्न स्तर पर है। स्वैच्छिक संस्था प्रथम फाउंडेशन की वार्षिक स्कूली सर्वेक्षण में बताया गया है कि 14 से 18 साल के लगभग 87 प्रतिशत किशोरों का स्कूलों में नामांकन है, लेकिन उम्र बढ़ने के साथ–साथ पढ़ाई छोड़ने का प्रतिशत बढ़ता जाता है। यह रिपोर्ट 26 राज्यों के 28 जिलों में करीब 35 हजार किशोरों के सर्वेक्षण पर आधारित है। पिछली बार 2017 में संस्था की वार्षिक रिपोर्ट में इस आयु वर्ग का सर्वेक्षण किया गया था। कोरोना महामारी के दौर में यह चिंता जतायी गयी थी कि जीवनयापन के लिए अधिक आयु के किशोर पढ़ाई छोड़ सकते हैं, लेकिन रिपोर्ट में पाया गया है कि ऐसा नहीं हुआ। यह संतोषजनक है, पर केवल स्कूल में दाखिले से बात नहीं बनेगी। हमें पढ़ाई के स्तर को बेहतर करना होगा। साल 2017 और 2023 के बीच छह साल का अंतराल है, किंतु किशोरों के स्तर में कोई विशेष गुणात्मक सुधार नहीं हुआ है। क्षेत्रीय भाषाओं के पाठ पढ़ने में लड़कों की तुलना में लड़कियों का प्रदर्शन बेहतर है, पर अंग्रेजी पाठ पढ़ने और गणित में लड़के अच्छा कर रहे हैं। पहली बार इस रिपोर्ट में 11वीं और 12वीं में विषयों के चयन पर सर्वेक्षण किय

इन कक्षाओं में 54 प्रतिशत छात्र कला एवं मानविकी विषय पढ़ रहे हैं, जबकि 9। 3 प्रतिशत वाणिज्य और 33। 7 विज्ञान पढ़ रहे हैं। विज्ञान पढ़ने के मामले में लड़कों से लड़कियां पीछे हैं। यदि किशोर स्कूली स्तर पर बुनियादी चीजें नहीं जानेंगे, तो वे या तो आगे की पढ़ाई ठीक से नहीं कर पायेंगे या स्कूली शिक्षा के बाद पढ़ना छोड़ देंगे। ग्रामीण भारत में देश की 65 प्रतिशत से अधिक आबादी रहती है तथा देश के लगभग 47 प्रतिशत लोग जीवनयापन के लिए कृषि पर निर्भर हैं। इस कारण ग्रामीण भारत का विकास सरकार की प्राथमिकताओं में ऊपर है। गांवों और कस्बों में कृषि और अन्य स्थानीय गतिविधियों से जुड़े रोजगार को बढ़ाने के लिए प्रयास हो रहे हैं। इसलिए यह आवश्यक है कि किशोर और युवा शिक्षित हों तथा कौशल सीखें। ऐसा ठीक से नहीं हो पाने से वे स्थानीय स्तर पर हो रहे विकास कार्यों से नहीं जुड़ पायेंगे और न ही शहरों में उन्हें अच्छे मौके हासिल होंगे। केंद्र और राज्य सरकारों ने शिक्षा पर बजट आवंटन बढ़ाया है तथा नामांकन, शिक्षकों की नियुक्ति, संसाधनों की उपलब्धता पर ध्यान दिया है। पर यह नाकाफी है। सरकार, समाज और अभिभावक सभी को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि बच्चों को अच्छी स्कूली शिक्षा मिले।

एआइ से रोजगार की संभावनाएं भी कम नहीं

हिमानी रावत

औद्योगिक क्रांति के शुरू से डाटा साइंस, ब्लॉकचेन, रोबोटिक्स जैसे हर उल्लेखनीय तकनीक के प्रचलन तक ऐसी आशंका जतायी जाती रही है। कई विशेषज्ञों ने एआइ से लाखों नयी नौकरियों के सृजन की संभावना भी व्यक्त की है। विश्व आर्थिक मंच के पिछले वर्ष के शोध के अनुसार आने वाले पांच वर्षों में एआइ शुद्ध रूप से रोजगार सृजनकर्ता बनेगा। उस रिपोर्ट के अनुसार एआइ संभावित रूप से 9। 7 करोड़ नयी भूमिकाएं उत्पन्न कर सकता है। विश्व आर्थिक मंच के ही एक सर्वेक्षण में लगभग आधी (49%) कंपनियों ने एआइ के प्रसार से रोजगार वृद्धि की संभावना व्यक्त की, जबकि सिर्फ 23% ने रोजगार में कमी की आशंका जाहिर की। एआइ से संबंधित भूमिकाओं, जैसे– डाटा वैज्ञानिक, डाटा विशेषज्ञ और बिजनेस इंटेलिजेंस विश्लेषकों की संख्या में 30 से 35 प्रतिशत वृद्धि की उम्मीद है। ऑटोमोटिव और एयरोस्पेस उद्योग में तेजी से रोजगार बढ़ोतरी की संभावना है।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआइ) एक उपयोगी और तेजी से उभरता हुआ क्षेत्र है। इसमें मानव बुद्धिमता की आवश्यकता वाले कार्यों के लिए प्रभावी बुद्धिमता वाले सॉफ्टवेयर सिस्टम का विकास किया जाता है। एआइ सिस्टम बड़े डेटाबेस का सम्मिश्रण और विश्लेषण कर अति उपयोगी सुझाव प्रदान करते हैं, जो व्यावसायिक दक्षता और नवाचार को बढ़ाता है। एआइ का विविध और विशिष्ट अनुप्रयोग होता हैं, जिनमें खेती जैसे पारंपरिक क्षेत्र का अनुकूलन, स्वचालित कारों का परिचालन, आभासी सहायक से लेकर चिकित्सा निदान और वित्तीय विश्लेषण तक शामिल हैं। एआइ के अनुप्रयोग से मनुष्यों पर निर्भरता कम होगी और स्वचालन बढ़ेगा। अधिकांश विशेषज्ञ स्वचालन को रोजगार का विपरीत समानुपाती मानते हैं। हाल में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष की प्रबंध निदेशक क्रिस्टालिना जॉर्जीवा ने एआइ के प्रसार से आर्थिक विषमता बढ़ने की आशंका जतायी। दावोस में वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम के दौरान उन्होंने कहा कि एआइ के कारण जल्द ही विकसित देशों के कई श्रमिकों की नौकरियां समाप्त हो जायेंगी। कंसल्टिंग संस्था पीडब्ल्यूसी के एक हालिया प्रकाशित अध्ययन के अनुसार, हर चार में से एक सीइओ के अनुसार एआइ से कम–से–कम पांच प्रतिशत रोजगार में कमी आयेगी।औद्योगिक क्रांति के शुरू से डाटा साइंस, ब्लॉकचेन, रोबोटिक्स जैसे हर उल्लेखनीय तकनीक के प्रचलन तक ऐसी आशंका जतायी जाती रही है। कई विशेषज्ञों ने एआइ से लाखों नयी नौकरियों के सृजन की संभावना भी व्यक्त की है। विश्व आर्थिक मंच के पिछले वर्ष के शोध के अनुसार आने वाले पांच वर्षों में एआइ शुद्ध रूप से रोजगार सृजनकर्ता बनेगा। उस रिपोर्ट के अनुसार एआइ संभावित रूप से 9। 7 करोड़ नयी भूमिकाएं उत्पन्न कर सकता है। विश्व आर्थिक मंच के ही एक सर्वेक्षण में लगभग आधी (49%) कंपनियों ने एआइ के प्रसार से रोजगार वृद्धि की संभावना व्यक्त की, जबकि सिर्फ 23% ने रोजगार में कमी की आशंका जाहिर की। एआइ से संबंधित भूमिकाओं, जैसे– डाटा वैज्ञानिक, डाटा विशेषज्ञ और बिजनेस इंटेलिजेंस विश्लेषकों की संख्या में 30 से 35 प्रतिशत वृद्धि की उम्मीद है। ऑटोमोटिव और एयरोस्पेस उद्योग में तेजी से रोजगार बढ़ोतरी की संभावना है। एआइ के कारण कई नौकरियां अप्रचलित भी हो सकती हैं, कई नौकरियों को फिर से परिभाषित किया जायेगा और कई नये अवसर सामने आयेंगे। ऐसा भी संभव है कि जिस समूह की नौकरी खत्म हो जाए, उसे नयी नौकरी आसानी से न मिले और नये समूह को रोजगार आसानी से मिल जाए। समाज में असमानता की आशंका को नकारा नहीं जा सकता। कई शोधों के अनुसार, मीडिया, मनोरंजन, बैंकिंग और बीमा जैसे कई परंपरागत क्षेत्र में नौकरियों की कमी की आशंका है। विनिर्माण, ग्राहक सेवा, शिक्षा और वित्त सेवाओं, जैसे– एकलय, दुहराव और पुर्वानुमान वाली नौकरियों में भी कमी आ सकती है।

मुद्रा कोष की उप प्रबंध निदेशक गीता गोपीनाथन के अनुसार, एआइ का प्रभाव अलग–अलग देशों में अलग–अलग हो सकता है। हमारे देश में कृषि क्षेत्र में श्रमिकों का एक बड़ा हिस्सा होने के कारण एआइ का रोजगार पर जोखिम लगभग 30% कम है। विकसित देशों में इसके सकारात्मक प्रभाव ज्यादा दिखेगा, क्योंकि वहां बुनियादी व्यवस्था और दक्ष कर्मचारी हैं। भारत उभरते बाजारों के औसत के करीब है, इसलिए एआइ के सकारात्मक प्रभाव का असर कम और देर से दिखेगा। वर्ष 2019 में एआइ के प्रचलन के बाद से भारतीय रोजगार बाजार में कई परिवर्तन आये हैं। दिसंबर 2022 में चाटजीपीटी के अनावरण के बाद तो और तेज परिवर्तन हुए हैं। डाटा एंट्री, बीपीओ, केपीओ, कॉल सेंटर जैसे नियमित कार्यों के स्वचालित होने से इनमें रोजगार घटा है, पर डाटा साइंस, इंजीनियरिंग और मशीन लर्निंग के अवसरों में वृद्धि हुई है। कृषि, शिक्षा आदि पारंपरिक क्षेत्रों में भी एआइ विशेषज्ञों की मांग शुरू हो चुकी है। व्हीबॉक्स नेशनल एम्प्लॉयबिलिटी टेस्ट के शोध रिपोर्ट के अनुसार, 2023 के अगस्त तक देश में एआइ पेशेवरों की कुल मांग के दो तिहाई से भी कम कुशल पेशेवर उपलब्ध थे। इस बाजार की मांग और आपूर्ति के बीच तालमेल बिठाने के लिए कौशल विकास, अपस्किलिंग और रीस्किलिंग महत्वपूर्ण होंगे। भारत में रोजगार की सुगमता के कारण अधिक लोग अनौपचारिक क्षेत्र चुन रहे हैं, पर ऑटोमोटिव, विनिर्माण और विभिन्न व्यापार क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर कौशल विकास कार्यक्रमों की आवश्यकता है। साथ ही, भावनात्मक कौशल, टीम वर्क, नेतृत्व कौशल व मूल्यांकन कौशल विकसित करना भी जरूरी है। व्यापक भलाई के लिए एआइ का उपयोग सुनिश्चित करने के लिए दिशानिर्देश और नियमन आवश्यक हैं। हाल में जीपीएआइ शिखर सम्मलेन नयी दिल्ली में हुआ था। एआइ नियमन और प्रचालन की सबसे प्रमुख वैश्विक संस्था में मुख्य नेतृत्वकर्ता की भूमिका मिलना प्रौद्योगिकी, एआइ और वैश्विक समायोजन में भारत की बढ़ती कुशलता का परिचायक है। रोजगार बाजार पर एआइ का प्रभाव नकारात्मक भी है और सकारात्मक भी। नौकरी चाहने वालों और नियोक्ताओं को नयी तकनीकों को अपनाने के साथ तेज कौशल विकास पर भी काम करना होगा। इस संबंध में सरकार और व्यवसाय जगत को साथ आना चाहिए, ताकि आवश्यक कौशल उपलब्ध हो सके।

विलुप्त होते आदिवासियों की चिंता

पद्मश्री अशोक

विगत दिनों प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आदिवासी क्रांतिकारी नेता भगवान बिरसा मुंडा के जन्मदिन पर उनके जन्म स्थान झारखंड स्थित खूंटी के उलिहातू से एक महत्वाकांक्षी कल्याणकारी ह्यजनमन योजनाह्न की घोषणा की। इस योजना को ऐतिहासिक बताया जा रहा है। यह योजना ऐसे 75 आदिवासी समूहों के सर्वांगीण विकास पर केंद्रित है, जो आज भी देश की मुख्यधारा से विमुख हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने 15 नवंबर, 2023 को लगभग 24 हजार करोड़ रुपये के बजट के साथ पीएम जनजाति आदिवासी न्याय महा अभियान का शुभारंभ किया। इस योजना के माध्यम से आदिवासी समाज के लोगों को बेहतर आजीविका के अवसरों जैसी बुनियादी सुविधा और जरूरत को सुनिश्चित करने का काम किया जायेगा।

यह तीसरा मौका है, जब भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार ने आदिवासियों के लिए बड़ा काम किया है। इस मामले में खुद प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भाजपा की अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार ने आदिवासी समाज के लिए अलग से मंत्रालय बनाया और अलग बजट आवंटित किया। पहले की तुलना में आदिवासी कल्याण का बजट छह गुना बढ़ाया गया है, ताकि प्रधानमंत्री जनमन योजना के तहत सरकार आदिवासी समूह और आदिम जनजातियों तक पहुंच कर उनका विकास सुनिश्चित कर सके। इससे पहले भाजपा सरकार ने ही आदिवासियों को केंद्र में रख कर दो प्रांतों का गठन किया, जिसमें झारखंड एक व्यापक जनजातीय बहुल प्रदेश है।

इस योजना को विशेष रूप से आदिवासियों के कल्याण हेतु बनाया गया है, जिसके लिए प्रधानमंत्री ने प्रथम चरण में 24 हजार करोड़ रुपये आवंटित किये हैं।

भारत में आदिवासियों की संख्या 10 करोड़ से अधिक है। आंकड़ों के अनुसार, देश की कुल जनसंख्या का 8। 2 प्रतिशत भाग आदिवासियों का है। आदिवासी समूहों में से लगभग 10 ऐसे समूह हैं, जिन्हें सरकारी योजनाओं का लाभ मिला है और उन्होंने सरकार द्वारा प्रदत्त आरक्षण का भी भरपूर लाभ उठाया है, लेकिन अधिकतर आदिवासी समूह सरकार की योजनाओं से वंचित रहे हैं। सरकार का दावा है कि आदिवासी समूहों में से 75 ऐसे समूह हैं, जहां आज भी सरकारी योजनाओं का लाभ नहीं के बराबर पहुंचा है। प्रधानमंत्री मोदी द्वारा घोषित यह जनमन योजना उन्हीं 75 आदिवासी समूहों पर केंद्रित है। प्रधानमंत्री ने हाल ही में जिस विकसित भारत की आधारशिला रखी है, उसमें भी इस योजना की चर्चा की गयी है। यह बताया गया है कि जब तक देश के घने वनों, गिरी और कंदराओं में रहने वाले जनजातियों को देश के विकास की मुख्यधारा से नहीं जोड़ा जायेगा, तब तक विकास की अवधारणा अधूरी ही समझी जायेगी। प्रधानमंत्री मोदी द्वारा पीएम जनमन योजना को शुरू करने का मुख्य उद्देश्य जनजातीय आदिवासी समुदाय के नागरिकों का विकास सुनिश्चित करना है।

इस योजना के माध्यम से आदिवासी जनजातियों के परिवारों को सड़क और दूरसंचार कनेक्टिविटी, बिजली पहुंचाने, सुरक्षित आवास, स्वच्छ पेयजल आदि सुविधा उपलब्ध करवाने का काम किया जायेगा। साथ ही, शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण तक इन जनजातियों की पहुंच बनाने के लिए बुनियादी सुविधाओं और जरूरतों को पूरा किया जायेगा। योजना में इस बात की चर्चा की गयी है कि अति पिछड़े 75 आदिवासी समूह देश के 22 हजार से अधिक गांवों में रहते हैं। इनकी संख्या लाखों में है, जो विलुप्त होने की कगार पर हैं। इस योजना के तहत सरकार की अन्य योजनाओं को भी जोड़ा गया है, जैसे– शत प्रतिशत टीकाकरण, सिकल सेल रोग उन्मूलन, पीएमजेएवाइ, टीबी उन्मूलन, पीएम सुरक्षित मातृत्व योजना, पीएम मातृ वंदना योजना, पीएम पोषण, पीएम जन योजना आदि। इन योजनाओं के माध्यम से जनजातियों का विकास अलग से सुनिश्चित किया जायेगा। यह योजना देश के 18 राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों में चलायी जायेगी। इसके तहत देश के 220 जिलों को आच्छादित किया जायेगा। सरकारी दावे में कहा गया है कि योजना से देश की 28 लाख जनसंख्या लाभान्वित होने वाली है।

प्रधानमंत्री द्वारा इस योजना में विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूह मिशन के तहत लगभग 28 लाख विशेष पिछड़ी जनजाति समूह (पीवीटीजी) को दायरे में लाया जायेगा। इस मिशन के तहत जनजातीय समूहों के लिए विभिन्न कार्यक्रम चलाये जायेंगे, ताकि आदिवासियों का कल्याण किया जा सके।

सरकार की ओर से बताया गया है कि सरकार 75 सूक्ष्म आदिवासी समूह वाले 22 हजार गांवों में बिजली, सुरक्षित घर, पीने का साफ पानी, सफाई, शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण तक बेहतर पहुंच, रोजगार और रहन–सहन के मौके आदि उपलब्ध करवायेगी। इस प्रकार, देश में यह पहला मौका है कि किसी सरकार ने देश के उन सूक्ष्म आदिवासियों के लिए अलग से योजना बनायी है, जो लंबे समय से विकास की मुख्यधारा से न केवल दूर हैं, अपितु उनके पास जो मानवीय संसाधन है, उसका भी बेहतर उपयोग नहीं हो पा रहा है और वे विलुप्त होने की कगार पर पहुंच गये हैं।

ऑनलाइन दुर्व्यवहार की व्यापक प्रकृति को दर्शाता

प्रौद्योगिकी के तेज विस्तार से हमारे जीने, काम और संवाद करने के तरीके में क्रांतिकारी बदलाव आया है, पर हिंसा और शोषण के नये रूप भी सामने आये हैं। इंटरनेट आधारित हिंसा का प्रसार वैश्विक चिंता का विषय है।

एडिनबर्ग विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं द्वारा किये गये पहले वैश्विक आकलन से पता चला है कि दुनियाभर में 30 करोड़ से अधिक बच्चे हर वर्ष ऑनलाइन यौन शोषण का शिकार होते हैं। शोध के अनुसार, वैश्विक स्तर पर 12। 6 प्रतिशत बच्चे अनचाही यौन सामग्री, गैर–सहमति वाले संचार और जबरदस्ती वीडियो चैट के शिकार हुए हैं। यह ऑनलाइन दुर्व्यवहार की व्यापक प्रकृति को दर्शाता है। यह बातचीत अक्सर शोषण के भयावह रूपों को जन्म देती है। जैसे सेक्सटॉर्शन, जहां साइबर अपराधी पीड़ितों को फिरौती न दिये जाने पर निजी और अक्सर हेरफेर की गयी छवियों या वीडियो को जारी करने की धमकी देकर उनसे पैसे ऐंठते हैं।

भारत में भी बड़ी संख्या में बच्चे साइबर बुलिंग का शिकार होते हैं। पिछले वर्ष आयी ह्यनेशनल सेंटर फॉर मिसिंग एंड एक्सप्लॉयटेड चिल्ड्रनह्न नामक संस्था की एक रिपोर्ट की मानें, तो 2019 के बाद से भारत में बच्चों के ऑनलाइन यौन शोषण के मामलों में 87 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इस रिपोर्ट में बताया गया है कि बच्चों के यौन शोषण की ऑनलाइन सामग्री में 3। 2 करोड़ का इजाफा हुआ है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर आपराधिक गतिविधियों में वृद्धि ने परिदृश्य को और जटिल बना दिया है। ऑनलाइन दुर्व्यवहार के 12। 5 प्रतिशत मामलों में इन प्लेटफॉर्म का उपयोग लोगों को यौन गतिविधियों में शामिल होने के लिए मजबूर करने के लिए किया जाता है। बाल और युवा पीढ़ी विशेष रूप से असुरक्षित है, क्योंकि उनमें परिपक्वता और अनुभव की कमी है। ऑनलाइन हिंसा की इस महामारी से निपटने के लिए ऑनलाइन सुरक्षा के लिए मजबूत उपायों को विकसित किया जाना चाहिए। बच्चों के लिए इंटरनेट एक्सेस डिवाइस कितनी जरूरी है, यह माता–पिता ही तय कर सकते हैं। पढ़ाई के लिए इंटरनेट का उपयोग जरूरी हो गया है, पर हमें यह भी सुनिश्चित करना होगा कि बच्चे मोबाइल और लैपटॉप हाथ में लेकर इस सुविधा का उपयोग करते हुए ऐसी गतिविधियों का शिकार न हों। जिस तरह इंटरनेट पर बच्चों के विरुद्ध अपराध के नये–नये तरीके हर रोज सामने आ रहे हैं, उसे देखते हुए अधिक सतर्क रहने की आवश्यक है। बच्चों को ऑनलाइन प्लेटफॉर्म से दूर रखना भी इतना आसान नहीं है, पर उन्हें साइबर अपराध के बारे में जागरूक करने के साथ–साथ साइबर अपराध पर नजर रखने के लिए एक मजबूत तंत्र भी होना चाहिए।

कोटा फैक्ट्री सीजन 3 की रिलीज डेट आई सामने

जितेंद्र कुमार की कोटा फैक्ट्री मोस्ट पॉपुलर सीरीज है.इस वेब शो के दो सीजन बेहद हिट रहे और अब फैंस इसके तीसरे सीजन का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं. ये वेब शो कोटा में आईआईटी–जेईई और एनईईटी परीक्षा की तैयारी कर रहे छात्रों की स्टोरी पर बेस्ड है. 2019 में इसका पहला सीजन यूट्यूब पर शुरू हुआ और इसे इतनी पॉपुलैरिटी मिली कि साल 2021 में नेटफ्लिक्स ने इसके दूसरे सीजन को रिलीज किया.

अब जल्द ही इस सीरीज का तीसरा सीजन भी रिलीज होने वाला है. चलिए जानते हैं कोटा फैक्ट्री का तीसरा सीजन कब और कहां देखा जा सकता है?

बता दें कि इस साल फरवरी के महीने में, नेटफ्लिक्स ने छात्रों और शिक्षकों के सामने आने वाली नई चुनौतियों को प्रदर्शित करते हुए कोटा फैक्ट्री के तीसरे सीजन की झलक शेयर की थी.इसके साथ ही कैप्शन में लिखा गया था. अपनी पेंसिलें तेज कर लें, और सारे फॉर्मूले याद रखें– जीतू भैया और उनके छात्र अब तक की सबसे बड़ी चुनौती के लिए तैयार हो रहे हैं.वहीं अब इस मोस्ट अवेटेड सीरीज की रिलीज डेट भी आ गई है. रिपोर्ट के मुताबिक, कोटा फैक्ट्री सीजन 3 सीरीज जून में रिलीज हो सकती है. हालांकि अभी एक्चुअल तारीख का पता नहीं चल पाया है. लेकिन रिपोर्ट के मुताबिक सूत्र से जानकारी मिली है कि सीजन 3 को जून के दूसरे या तीसरे हफ्ते में ओटीटी पर रिलीज किया जा सकता है.

बता दें कि कोटा फैक्ट्री को राघव सुब्बू द्वारा निर्देशित किया गया है. ये द वायरल फीवर के लिए अरुणाभ कुमार द्वारा निर्मित है. कोटा फैक्ट्री कोटा, राजस्थान के इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (आईआईटी) के लिए बेहद कंपटीटीव एंट्रेंस एग्जाम की तैयारी कर रहे छात्रों के जीवन पर बेस्ड है.

कोटा फैक्ट्री सीजन 3 स्टारकास्ट की बात करें तो इस वेब शो में जितेंद्र कुमार और अहसास चन्ना के अलावा आलन खान, मयूर मोरे, रंजन राज जैसे स्टार्स नजर आएंगे. वहीं इस बार शो में तिलोत्मा शोम भी अहम किरदार में नजर आएंगें.

बता दें कि इस सीरीज के अलावा जितेंद्र वेब सीरीज पंचायत 3 में भी नजर आने वाले हैं. पंचायत 3 इस महीने 31 मई को रिलीज हो रही है.

युवराज सिंह को मिली कप्तानी

नई दिल्ली। इंग्लैंड में पहली बार आयोजित होने वाले वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स के लिए इंडिया चैंपियंस ने स्क्वाड की घोषणा कर दी। टीम की कमान भारतीय टीम के पूर्व ऑलराउंडर युवराज सिंह को दी गई है। टीम में दिग्गज स्पिनर हरभजन सिंह और सुरेश रैना भी शामिल हैं। नई दिल्ली में शुक्रवार, 31 मई को टीम की जर्सी लॉन्च की गई थी। इस मौके पर सुरेश रैना आरपी सिंह और राहुल शर्मा मौजूद रहे। इस लीग में में कुल 6 देश हिस्सा लेंगे। मैच 3 जुलाई से एजबेस्टन में खेले जाएंगे। फाइल मैच 13 जुलाई को खेला जाएगा।

युवराज सिंह करेंगे कप्तानी

इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड से मान्यता प्राप्त वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स क्रिकेट लीग के जरिए दिग्गज क्रिकेटरों को एक नया मंच प्रदान करेगा। भारतीय क्रिकेट के सितारों से सजी 15 सदस्यीय इंडिया चैंपियंस टीम का एलान किया गया।

अमेरिका में खास ट्रॉफी देख रोहित शर्मा ने दिया गजब रिएक्शन

नई दिल्ली। टीम इंडिया अपने दूसरे टी20 वर्ल्ड कप खिताब के लिए अमेरिका पहुंच चुकी है। टीम इंडिया ने 2007 के बाद से दोबारा टी20 वर्ल्ड कप नहीं जीता है। इस बार भारतीय टीम की कोशिश होगी कि वह अपने खिताबी सूखे को खत्म कर सके। टीम इस बार रोहित शर्मा की कप्तानी में उतर रही है। टूर्नामेंट शुरू होने से पहले रोहित ने अमेरिका में एक खास ट्रॉफी के साथ फोटो खिंचवाया और इस ट्रॉफी को देख उन्होंने गजब रिएक्शन दिया। रोहित दूसरी बार टी20 वर्ल्ड कप में भारत की कप्तानी कर रहे हैं। इससे पहले रोहित ने 2022 में खेले गए टी20 वर्ल्ड कप में टीम की कप्तानी की थी लेकिन सेमीफाइनल से आगे टीम को नहीं ले जा पाए थे। सेमीफाइनल में भारत को इंग्लैंड के हाथों हार का सामना करना पड़ा था।

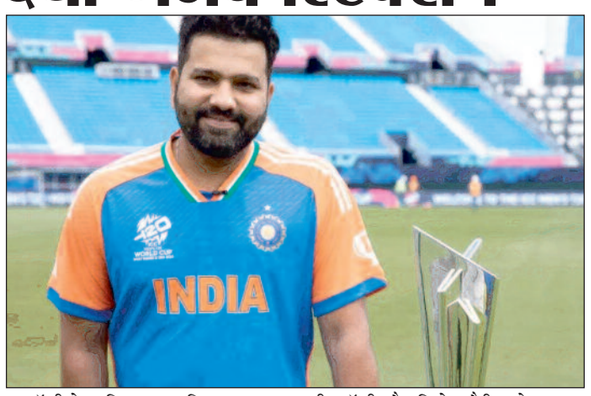

ट्रॉफी देख दिया गजब रिएक्शन

रोहित ने जैसे ही ट्रॉफी को देखा उनके मुंह से गजब बात निकल गई और फिर उन्होंने दिग्गजों को याद किया। ये ट्रॉफी मशहूर बास्केटबॉल लीग एनबीए की ट्रॉफी है जिसे लैरी ओ ब्रायन चैंपियंस ट्रॉफी कहा जाता है। रोहित ने जैसे ही इस ट्रॉफी को देखा तो पंजाबी में कहा, "ओ लैरी पाजी, कि हाल चाल।" ये कहते हुए रोहित जोर से हंस दिए।

बॉक्स ऑफिस पर मनोज बाजपेयी की भैया जी ने तोड़ा दम, घटती जा रही दैनिक कमाई

चिलचिलाती गर्मी के मौसम में बॉक्स ऑफिस का मिजाज ठंडा पड़ा हुआ है. पिछले काफी टाइम से कोई भी फिल्म टिकट काउंटर पर कमाल नहीं दिखा पाई है. हाल ही में मनोज बाजपेयी की एक्शन मसाला से भरपूर फिल्म भैया जी रिलीज हुई थी.

इस फिल्म से काफी उम्मीदें थी लेकिन ये रिलीज के पहले ही दिन ठंडी पड़ गई और अब तक कोई कमाल नहीं दिखा पाई है.चलिए यहां जानते हैं ह्यभैया जीह्न ने रिलीज के छठे दिन कितना कलेक्शन किया?

ह्यभैया जीह्न मनोज बाजपेयी की 100वीं फिल्म है. इस रिवेंज ड्रामा का निर्देशन अपूर्व सिंह कार्की ने किया है. अपूर्व और मनोज बाजपेयी की जोड़ी ने इससे पहले सिर्फ एक बंदा काफी है में भी कोलैबोरेशन किया था. इस फिल्म को काफी तारीफ मिली थी लेकिन इस बार अपूर्व और मनोज की भैया जी दर्शको की कसौटी पर खरी नहीं उतरी और कोई भौकाल नहीं मचा पाई. फिल्म रिलीज के पहले ही दिन सिनेमाघरों में दर्शकों के लिए तरसती हुई नजर आईं. हालांकि वीकेंड पर फिल्म की कमाई में थोड़ी तेजी भी आई लेकिन वीकडेज में ह्यभैया जीह्न का कारोबार फुसस हो गया और लाखों में सिमट कर रह गया.

ह्यभैया जीह्न की कमाई की बात करें तो इस फिल्म ने रिलीज के पहले दिन 1.35 करोड़, दूसरे दिन 1.75 करोड़, तीसरे दिन 1.85 करोड़, चौथे दिन 90 लाख और पांचवें दिन 85 लाख का कलेक्शन किया. वहीं अब इस फिल्म की रिलीज के छठे दिन की कमाई के शुरुआती आंकड़े आ गए हैं.

सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक भैया जी ने रिलीज के छठे दिन 70 लाख की कमाई की है. इसी के साथ भैया जी का 6 दिनों का कुल कलेक्शन अब 7.4 करोड़ रुपये हो गया है.

माटी से बंधी डोर में अपने किरदार को कर रही खूब एन्जॉय : रुतुजा बागवे

माटी से बंधी डोर में वैजनाती (वैजू) के रोल में नजर आने वाली रुतुजा बागवे ने बताया कि वह महाराष्ट्र की होने के चलते अपने किरदार को खूब एन्जॉय कर रही हैं।

रुतुजा ने कहा, असल जिंदगी में महाराष्ट्र की होने के चलते मुझे वैजू का किरदार निभाने में मजा आ रहा है, क्योंकि वैजू खुद एक मराठी मुलगी है। दर्शकों को वैजू के किरदार में रुतुजा की कुछ झलक देखने को मिलेगी। रुतुजा ने कहा, बेशक! मैं हिंदी शो कर रही हूं, लेकिन मैं अपने डायलॉग में मराठी टच देती हूं।

दिनेश कार्तिक ने बर्थडे के दिन किया बड़ा फैसला, क्रिकेट से लिया संन्यास

नई दिल्ली। दिनेश कार्तिक ने शनिवार को आधिकारिकत तौर पर क्रिकेट के सभी प्रारूपों से अलविदा कह दिया है। कार्तिक ने पहले ही बता दिया था कि वह आईपीएल–2024 के बाद संन्यास ले लेंगे, लेकिन उन्होंने आधिकारिक ऐलान नहीं किया था। एक जून को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट कर अपने संन्यास का ऐलान कर दिया। इसमें दिलचस्प बात ये है कि कार्तिक ने अपने जन्मदिन के लिए क्रिकेट को अलविदा कहा है। कार्तिक ने एक पत्र लिखा बता दिया कि अब वह क्रिकेट के मैदान पर बतौर क्रिकेटर नहीं दिखेंगे। कार्तिक अब बतौर कमेंटेटर नजर आएंगे। वह टी20 वर्ल्ड कप के कमेंट्री पैनल में हैं। क्रिकेटर रहते हुए भी कार्तिक ने कमेंटेटर की भूमिका निभाई थी।

51 सेकेंड में बता दिया करियर

कार्तिक आईपीएल में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू के लिए खेले थे। 22 मई को इस टीम ने आईपीएल 2024 का आखिरी मैच खेला था और पूरी टीम ने कार्तिक को फेयरवेल दी थी। तब से कार्तिक शांत थे लेकिन 1 जून को उ

एक नजर

तहसील दिवसों का रोस्टर जारी, 2 जुलाई को प्रतापनगर से होगी शुरूआत

नई टिहरी : जिलाधिकारी मयूर दीक्षित के निर्देश पर तहसीलों में प्रत्येक माह प्रथम व तृतीय मंगलवार को आयोजित होने वाले तहसील दिवसों को लेकर रोस्टर जारी किया गया है। तहसील दिवसों का आयोजन सुबह 11 से दोहपर दो बजे तक होगा। इन तहसील दिवसों में सभी जिला स्तरीय अधिकारियों की उपस्थिति अनिवार्य की गई है। रोस्टर के अनुसार 2 जुलाई को तहसील प्रतापनगर के खंड विकास कार्यालय, 6 अगस्त को देवप्रयाग, 3 सितंबर को जाखणीधार तहसील के जीआईसी जाखणीधार, एक अक्टूबर को तहसील कीर्तिनगर, 5 नवंबर को तहसील घनसाली, तीन दिसंबर को उप तहसील पावकी देवी, 7 जनवरी, 2025 को तहसील कंडीसौड़, 4 फरवरी को तहसील बालगंगा के जीआईसी चमियाला, 4 मार्च को तहसील धनोल्टी के ब्लॉक मुख्यालय थत्यूड़, 1 अप्रैल को उप तहसील मदन नेगी, 6 मई को तहसील गजा, 3 जून को तहसील टिहरी और 5 अगस्त को तहसील नरेंद्रनगर में तहसील दिवस आयोजित किया जाएगा। (एजेंसी)

खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने दुकानों का किया निरीक्षण, मचा हड़कंप

रुद्रप्रयाग : बदरी-केदार यात्रा के प्रमुख पड़ाव रुद्रप्रयाग में खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा फल और सब्जी की दुकानों में सघन चेकिंग की गई। कारबेट लगाकर पकाने वाले फलों की जांच की गई। इस मौके पर कारबेट से पकाए गए कुछ फलों को नष्ट करवाया गया। मुख्य बाजार में दो फल-सब्जी डिस्ट्रीब्यूटर्स के यहां यात्रा खाद्य सुरक्षा अधिकारी पवन कुमार के साथ जिला अभिहीत अधिकारी मनोज सेमवाल ने औचक निरीक्षण किया। इस मौके पर आम, केला, आड़ू, सेब, तरबूज और सब्जियों की जांच की गई। फलों को पकाने के लिए हानिकारक कार्बाइड की शिकायत के चलते आम की पेटियों को खुलवाकर गहनता से जांच की गई। करीब सभी पेटियों में आम पकाने के लिए एथेलीन रिपेनर पाया गया, जबकि कुछ पेटियों में व्यापारी द्वारा कारबेट लगा होना बताया गया। जिन्हें प्रतिष्ठान से हटाकर नष्ट कराया गया। सभी फल एवं सब्जी विक्रेताओं को निर्देशित किया गया कि फलों-सब्जियों को प्राकृतिक रूप में और अनुमन्य रिपेनर के साथ पके होने पर ही विक्रय करने को कहा। (एजेंसी)

पर्यावरण संरक्षण के लिए बेहतर कदम उठाएं

नई टिहरी : विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान में नगर पालिका मुनिकीरेती में शनिवार को विधिक जागरूकता शिविर लगाया गया। प्राधिकरण के सचिव व सीनियर सिविल जज आलोक राम त्रिपाठी ने पालिका कार्मिकों और पर्यावरण मित्रों को पर्यावरण संरक्षण के लिए बेहतर कदम उठाने को कहा। उन्होंने ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, पॉक्सो ऐक्ट, साइबर क्राइम सहित विभिन्न कानूनों की जानकारी दी। रिटेनर अधिवक्ता राजपाल सिंह मियां ने नशे के दुष्प्रभाव, मोटरयान अधिनियम और साइबर सिक्योरिटी के संबंध में व्याख्यान दिया। पालिका ईओ तनवीर ने बताया कि गंगा सफाई, घाटों की साज-सज्जा और सफाई के लिए पालिका लगातार अभियान चला रही है। इसके बाद सामूहिक रूप से गंगा नदी के किनारे सफाई अभियान चलाया गया। उन्होंने नदी को साफ रखने, सुरक्षा मानकों का ध्यान रखें, गंगा को प्रदूषण मुक्त रखने के लिए प्लास्टिक का प्रयोग न करने की अपील की। (एजेंसी)

गुस्साए लोगों ने किया एई और ईओ को कार्यालय में बंद

नई टिहरी : देवप्रयाग बस स्टेशन पर निर्माणाधीन पुल का मलबा शांता गदेरे से नहीं हटाये जाने से आक्रोशित लोगों ने शनिवार को एनएच और नगर पालिका के खिलाफ प्रदर्शन किया। लोगों ने वार्ता करने पहुंचे एनएच और निर्माण कंपनी इस्पान के सहायक अभियंता को तहसील कार्यालय में बंद कर दिया। जबकि पालिका ईओ रघुवीर राय को भी कार्यालय में ताला लगाकर बंद कर दिया। निर्माण कम्पनी एई अंकित कुमार के दस दिन में मलबा हटाने व टूटी सीवरेज लाइन की तत्काल मरम्मत का लिखित आश्वासन देने के बाद लोगों ने ताला खोला। तीर्थनगरी के व्यापारियों, महिलाओं व युवाओं ने एनएच के मनमानी भरे रवैये के खिलाफ जमकर प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारी शांता नदी में पुल निर्माण के पिछले पांच माह से पड़े मलबे को तत्काल हटाने की मांग कर रहे थे। उनके अनुसार बीते 11 मई 2021 को शांता नदी में आये सैलाब से आईटीआई के तीन मंजिला भवन सहित कई दुकानें जमींदोज हो गयीं थी। मानसून की बारिश से पुल के मलबे से फिर यहां तबाही की आशंका है।

अभिभावक हो जाएं सावधान, इमोशनल तरीके से ठगी कर रहे साइबर अपराधी

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : यदि आपका बेटा घर से बाहर हॉस्टल में रहकर पढ़ाई करता है तो यह खबर आपके लिए है। दरअसल, इन दिनों साइबर ठग अभिभावकों से इमोशनल तरीके से ठगी का हथकंडा अपना रहे हैं।

दरअसल, साइबर ठग इन दिनों फर्जी पुलिस, नारकोटिक्स सेल व सीबीआई अधिकारी बनकर ठगी कर रहे हैं।

समय के साथ साइबर ठगों ने भी ठगी का तरीका बदल दिया है। पूर्व में वह बैंक अधिकारी बन उपभोक्ताओं को एटीएम की वैधता खत्म होने के नाम पर ठगते थे। लेकिन, अब वह इमोशनल तरीके से ठगी कर रहे हैं। कुछ दिन पूर्व एक व्यक्ति के वाट्सएप पर एक काल आई। काल करने वाले व्यक्ति ने बताया कि वह देहरादून से पुलिस अधिकारी बोल रहा है। उनका बेटा अपने दोस्तों के साथ मसूरी रोड पर जा रहा था, जिसका रास्ते में एक्सीडेंट हो गया है। बच्चे के सिर पर चोट आई है और वह उसे लेकर अस्पताल जा रहा है। अस्पताल में बच्चे को बेहतर उपचार मिले इसके लिए वह उनके खाते में दस हजार रुपये डलवा दें। बच्चे के एक्सीटेंड की खबर सुनते ही व्यक्ति के पैरों तले जमीन खिसक गई। हालांकि उन्होंने तुरंत बेटे के मोबाइल नंबर पर काल की तो पता चला कि बेटा देहरादून स्थित हॉस्टल में सुरक्षित है। इसी तरह साइबर अपराधी लगातार उन अभिभावकों को ठग रहे हैं, जिनके बच्चे अन्य शहरों में पढ़ाई कर रहे हैं। यही नहीं, साइबर ठग जिस वाट्सएप नंबर से काल करते है, उस पर वर्दी पहने पुलिस अधिकारी की ही फोटो होती है। कोटद्वार पुलिस के पास भी लगातार इस तरह की शिकायतें पहुंच रही हैं।

जेल भेजने के नाम पर ठगी

साइबर अपराधी बच्चों को आपराधिक घटनाओं में शामिल होने की बात कहकर भी अभिभावकों को ठगने का प्रयास कर रहे हैं। भाबर निवासी एक व्यक्ति का बेटा देहरादून में पढ़ाई करता है।

कुछ दिन पूर्व उनका बेटा छुट्टी लेकर घर आया हुआ था। बेटा जब पिता के समीप ही बैठा हुआ था तो उन्हें वाट्सएप पर एक काल आई। कॉल करने वाले ने बताया कि उनका बेटा देहरादून में किसी आपराधिक घटना में पकड़ा गया है।

यदि वह चाहते हैं कि बेटे को जेल न हो तो इसके लिए वह उसके खाते में 25 हजार रुपये डलवा दें। बेटा समीप ही बैठा हुआ था इसलिए व्यक्ति को समझने में देरी न हुई कि यह साइबर ठग का कॉल है।

डा. भीमराव अंबेडकर के नाम पर प्रवेश द्वारा बनाए जाने पर जताई खुशी

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : डा. भीमराव अंबेडकर निर्बल वर्ग उत्थान समिति की बैठक में चिल्लरखाल में डा.भीमराव अंबेडकर के नाम से प्रवेश द्वार बनाए जाने पर खुशी व्यक्त की गई।

वक्ताओं ने कहा कि भारत रत्न डा. भीमराव अंबेडकर के नाम से प्रवेश द्वार बनाए जाने की मांग काफी समय से की जा रही थी। कहा कि विधानसभा अध्यक्ष के अथक प्रयासों से वर्तमान में प्रवेश द्वारा का निर्माण करवाया जा रहा है। डा. भीमराव अंबेडकर के नाम से प्रवेश द्वार का निर्माण होने से निर्बल उत्थान समिति सहित स्थानीय लोगों में खुशी का माहौल बना हुआ है।

बैठक में प्रवेश द्वार बनाए जाने के लिए विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूडी भूषण का भी आभार जताया है। इस मौके पर शशिकांत, मंगतराम, सतपाल सिंह, कांति प्रसाद, प्रमोद कुमार किरन, राहुल, दानवीर, सुनीता देवी, महेश, मोहन, चमन लाल मौजूद रहे।

बेटे के सिर पर छेनी से हमला, गिरफ्तारी नहीं होने पर रोष

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : नजीबाबाद रोड निवासी एक व्यक्ति ने अपने बेटे के सिर पर लोहे की छेनी से जानलेवा हमला कर दिया। घायल की पत्नी की ओर से कोतवाली में अपने ससुर, देवर व देवरानी के खिलाफ तहरीर दी गई है। बताया कि उसके पति अस्पताल में जिंदगी व मौत से जंग लड़ रहे हैं। वहीं, पीड़िता ने हमलावरों के खिलाफ छोटी धाराओं में मुकदमा दर्ज करने पर भी रोष व्यक्त किया है। कहा कि पुलिस मामले को दबाने का प्रयास कर रही है। घटना के संबंध में बड़ोला गली निवासी पूनम ने कोतवाली पुलिस को तहरीर दी। बताया कि दो दिन पूर्व रात 11 बजे उनके पति अपने काम से घर पहुंचे। इसी दौरान उनका ससुर विशंबर सिंह, देवर सोनू व देवरानी रोहिणी उनसे गाली गलौच करने लगी। बताया कि उनके ससुर विशंबर सिंह ने लौहे की छेनी उठाई और उनके पति के सिर पर वार कर दिया। साथ ही देवर ने भी कूकर से उनके पति से सिर पर हमला किया। बताया कि देवरानी ने उनके साथ ही उनकी दस साल की बेटी के साथ भी मारपीट की। बताया कि हमले में उनके पति के सिर पर गंभीर चोट आई है। जिससे उनके सिर पर 27 टांके लग गए हैं। वहीं, मामले में पुलिस ने तहरीर के आधार पर जांच शुरू कर दी है।

सुदामा चरित्र व परीक्षित मोक्ष का प्रसंग सुनाया

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : कोटद्वार नगर निगम के अंतर्गत नजीबाबाद रोड स्थित एक बारातघर में चल रहे श्रीमद्भागवत कथा में कथाव्यास नरेंद्र प्रसाद ने सुदामा चरित्र व परीक्षित मोक्ष के प्रसंग सुनाए। आयोजित श्रीमद्भागवत कथा के अंतिम दिन कथाव्यास आचार्य नरेंद्र प्रसाद ने कहा कि मानव को अपने जीवन में भगवान के नाम का जाप करना जरूरी है। कहा कि अच्छे कर्म करने से मानव अपना कल्याण कर सकता है। उन्होंने भगवान श्रीकृष्ण व सुदामा की मित्रता को भी एक मिसाल बताया। कहा कि इस प्रकार की मित्रता की मिसाल बहुत कम देखने को मिलती है।

एकेश्वर और बीरोंखाल ब्लॉक के साढ़े तीन दर्जन गांवों में पेयजल किल्लत

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : एकेश्वर और बीरोंखाल ब्लॉक के करीब 40 से अधिक गांवों के ग्रामीणों इन दिनों पेयजल संकट से जूझ रहे है। पेयजल किल्लत के कारण ग्रामीणों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। जल संस्थान ने 15 जून तक नए कनेक्शन देने पर भी रोक लगा रखी है। बारिश नहीं होने से योजनाओं के स्त्रोतों पर पानी का डिस्चार्ज कम होता जा रहा है। वहीं जंगलों की आग की वजह से भी स्त्रोतों पर पानी कम हुआ है। कल्जीखाल ब्लॉक के कई गांवों में भी इन दिनों पेयजल संकट बना हुआ है।पिछले दिनों बीरोंखाल के पास डंपर के खाई में गिरने से बीरोंखाल पंपिंग योजना की पाइप लाइन भी क्षतिग्रस्त हो गई थी। जिसे जल संस्थान ने शनिवार को ही ठीक किया। ब्लॉक की जोगीमढ़ी, बारह गांव पेयजल योजना आदि से आमकुलाउ, बमराई खाल, तल्ली पखोली आदि गांवों में टैंकरों से ग्रामीणों को पानी दिया जा रहा है। दिक्कत यह भी है कि गांव में सभी घर सड़क पर नहीं है, जिसके कारण टैंकरों से पानी घर तक पहुंचाने में भी उपभोक्ताओं को परेशानियां हो रही है। बीरोंखाल के फरवाड़ी, सुकई में बादल फटने के बाद इन गांवों में भी इन दिनों उपभोक्ताओं के लिए वैकल्पिक व्यवस्था पर ही पेयजल मिल पा रहा है। एकेश्वर ब्लॉक के पांथर, नौगांवखाल, बिंजोली, डांग चमेली आदि गांवों में इन दिनों पेयजल संकट से उपभोक्ताओं को दो चार होना पड़ रहा है। ग्रामीणों के मुताबिक अभी तक भूमिया डांडा पंपिंग योजना का पानी यहां नहीं आ पाया। कोट ब्लॉक के कुंडी गांव के उपभोक्ता इन दिनों हैंडपंपों से पानी की सप्लाई कर रहे हैं। यहां पानी के वितरण को लेकर समस्या बनी हुई है।

4 जून को जीआईसी रूट पर नहीं चलेंगे वाहन

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : आगामी 4 जून को लोकसभा चुनावों की मतगणना को लेकर प्रशासन ने मतगणना स्थल के रूट तक किए हैं। इस संबंध में शनिवार को जिला निर्वाचन अधिकारी ने आदेश जारी किए हैं। जीआईसी मार्ग पर मतगणना के दिन कोई भी वाहन नहीं चलेगा। उन्होंने कहा कि सुरक्षा के मद्देनजर मतगणना स्थल पर अनाधिकृत प्रवेश को भी बंद किया गया है। मतगणना स्थल जीआईसी पौड़ी के गेट 1 और 2 की 100 मीटर की परिधि में केवल पैदल आवगमन ही हो सकेगा। बैरियरों से केवल पास वाले व्यक्तियों को ही प्रवेश मिल सकेगा। इस संबंध में एसएसपी पौड़ी को व्यवस्था बनाने के निर्देश दिए गए हैं।

कार्यशाला में जिंदगी के गुर सीख रहे विद्यार्थी

कार्यशाला में पहुंचे लैंसडौन विधायक दिलीप रावत

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : अभ्युदय परिवार की ओर से स्कूली बच्चों के लिए आओ सीखें कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में बच्चे जीवन में आगे बढ़ने के गुर सीख रहे हैं। शनिवार को लैंसडौन विधायक दिलीप रावत भी कार्यशाला में बच्चों से मिलने पहुंचे। उन्होंने बच्चों को जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। कहा कि बच्चों को हर रोज कुछ नया सीखना चाहिए। कहा कि इस तरह की कार्यशाला से बच्चों और महिलाओं की प्रतिभा को उभरने का अवसर प्राप्त हो रहा है। बच्चे अपनी छुट्टियों का अच्छा लाभ उठा रहे है। अभ्युदय परिवार मेरे क्षेत्र में सराहनीय कार्य कर रहा है। संयोजिका भावना वर्मा ने कहा कि कार्यशाला में ग्रामीण क्षेत्र की महिलाएं और बच्चे भी प्रतिभाग कर रहे है। हम अब जयहरीखाल ग्रामीण क्षेत्र में भी निःशुल्क कार्यशाला का आयोजन करने जा रहे हैं। इस मैके पर नीरा आनन्द, महिपाल सिंह रावत, सुरेन्द्र असवाल, सुमन बौठियाल, प्रेम थापा, मोनिका चौहान ने अपने विचार व्यक्त किये। इस मौके पर राजेश्वरी नेगी, सुमन बहुगुणा, आशा रावत, ममता शर्मा, विपना जोशी चन्द्रकान्ता, प्रशान्त थापा, रीमा रावत आदि मौजूद थे।

विद्यार्थियों को दी प्रोत्साहन राशि

आयोजित कार्यक्रम में भाग लेते विद्यार्थी व अभिभावक

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : अमर देव प्यारी देवी डबराल स्मृति मेधावी निर्धन छात्र छात्रवृत्ति प्रतियोगिता को पास करने वाले विद्यार्थियों को प्रोत्साहन राशि के चेक दिए गए। इस दौरान बच्चों के अभिभावकों को भी सम्मानित किया गया।

शांति बल्लभ मेमोरियल इंटर कालेज में आयोजित कार्यक्रम में डा. ब्रिज भूषण रावत व अन्य सदस्यों ने विद्यार्थियों को यह चेक राशि दी। वक्ताओं ने कहा कि छात्र-छात्राओं को प्रोत्साहित करने के लिए प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था। वक्ताओं ने विद्यार्थियों को लक्ष्य तय कर जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। प्रतियोगिता में क्षेत्र के विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता के अव्वल विद्यार्थी प्रियांशी, अंशिका, आराध्य बिंजोला, प्राची नेगी, अफसा, अलीना, दिव्यांशी बेबनी, दिव्यांशी नेगी, तनीषा, श्रीयांशी, अवनि, श्रुति, आराध्य बेबनी, आइशा, महक रावत, यामिनी भदोला, शिवांशी बिष्ट, जोया खान, सिमरन नेगी, जिया सैफी आदि को सम्मान राशि दी गई। इस मौके पर प्रधानाचार्य वरुण भदोला,पूर्व सैनिक सीपी डोबरियाल, राजेंद्र जजेडी, शिव प्रसाद कुकरेती, कमलेश रावत, विष्णु भदोला आदि मौजूद रहे।

अव्यवस्थाओं को लेकर नगर आयुक्त से मिले लोग

श्रीनगर गढ़वाल : नगर निमग श्रीनगर में अव्यवस्थाएं से आक्रोशित कमलेश्वर मोहल्ला के स्थानीय निवासियों ने नगर निगम पहुंचकर शनिवार को नगर आयुक्त को ज्ञापन प्रेषित किया। स्थानीय निवासी गम्भीर सिंह, रमेश बड़ोनी, ताजबर कण्डारी ने कहा कि कमलेश्वर मोहल्ले को जानी वाली सड़क की स्थिती बेहद खराब है। जिसके चलते लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि सड़क की स्थिति खराब होने से आये दिन दोपहिया वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो रहे हैं। लोगों ने अलकेश्वर घाट के पास कूड़े के ढेर पर आग लगाने को लेकर भी आक्रोश व्यक्त किया। कहा कि मोहल्ले से गुजरने वाली सीवर लाइनों में भी दिक्कतें आ रही हैं। उन्होंने नगर निगम प्रसाशन से जल्द से जल्द सभी समस्याओं का निराकरण करने की मांग की। इस मौके पर गम्भीर सिंह, रमेश बड़ोनी, ताजबर कण्डारी, आशु पुरी मौजूद रहे। (एजेंसी)

आंधी से बिजली लाइन पर गिरा पेड़, छाया रहा अंधेरा

जयन्त प्रतिनिधि।

थलीसैंण : बीती शुक्रवार सांय को तेज आंधी के कारण थलीसैंण में बिजली की लाइन पर पेड़ गिरने से विद्युत आपूर्ति करीब 6 घंटे ठप रही। रात करीब 12 बजे बिजली की लाइन ठीक होने के बाद सप्लाई शुरू हो सकी।

शुक्रवार सांय को करीब 6 बजे ोज आंधी के कारण थलीसैंण में बिजली की लाइन पर पेड़ गिरने से विद्युत आपूर्ति ठप हो गई। विद्युत विभाग के कांट्रेक्टर जगदीश सिंह बिष्ट ने कहा कि ग्राम बबता में बिजली लाइन के ऊपर पेड़ गिरने से तारें टूट गई थी। सूचना पर कर्मचारियों को मौके पर भेज दिया गया था, रात करीब 12 बजे लाईन को ठीक कर विद्युत आपूर्ति सुचारू कर दी गई थी।

आईटीआई श्रीनगर दे रहा निःशुल्क प्रशिक्षण

श्रीनगर गढ़वाल : जल शक्ति मंत्रालय की पहल पर राजकीय औद्योगिक संस्थान (आईटीआई) श्रीनगर अब नल जल मित्र कार्यक्रम के अंतर्गत युवाओं को नल जल संचालक पाठ्यक्रम का निःशुल्क प्रशिक्षण करवा रहा है।

जिसके तहत 63 दिन का प्रशिक्षण लेने के बाद मूल्यांकन परीक्षा पास करने पर उन्हें नल जल संचालक के रूप में हर घर नल हर घर जल योजना में जिले की अलग-अलग ग्राम पंचायतों में तैनात किया जाएगा। नल जल मित्र कार्यक्रम के लिए पौड़ी जनपद में अभी तक एकमात्र आईटीआई श्रीनगर का चयन हुआ है। 63 दिन के प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत प्रशिक्षुओं को 43 दिन का प्रशिक्षण आईटीआई श्रीनगर में दिया जाएगा। जिसमें प्रशिक्षुओं को आईटीआई के शिक्षकों द्वारा तकनीकी जानकारी दी जाएगी। जिसके बाद 20 दिनों का प्रशिक्षण जल संस्थान द्वारा दिया जाएगा। प्रशिक्षण के पश्चात प्रशिक्षुओं को मूल्यांकन परीक्षा पास करनी होगी। जिसके बाद प्रशिक्षुओं को भारत सरकार से मान्यता प्राप्त नल जल संचालक का प्रमाण पत्र दिया जाएगा। आईटीआई श्रीनगर के प्रधानाचार्य संजीव कुमार ने बताया नल जल मित्र कार्यक्रम के संचालन के लिए जिले के एकमात्र आईटीआई श्रीनगर का चयन हुआ है। उन्होंने कहा कि अब तक 22 प्रशिक्षुओं को प्रशिक्षण दे दिया गया है। कुछ दिनों एसेसमेंट परीक्षा होगी।

डा. शिवानी पोस्ट डॉक्टोरल फेलोशिप के लिए चयनित

श्रीनगर गढ़वाल : गढ़वाल विवि की पूर्व छात्रा डा.शिवानी पांडे का चयन प्रतिष्ठित महर्षि कणाद पोस्ट डॉक्टोरल फेलोशिप के लिए हुआ है।

राष्ट्रीय स्तर पर फेलोशिप के लिए देश भर से 50 छात्रों का चयन हुआ है। फेलोशिप के लिए देश भर के 50 छात्रों में डा. शिवानी पांडे का नाम भी शामिल है।

शिवानी ने गढ़वाल विवि से राजनीति विज्ञान विषय में पीएचडी की है। शिवानी चमोली जनपद के दूरस्थ गांव हरचन की रहने वाली हैं। पोस्ट डॉक्टोरल फेलोशिप के लिए चयन होने पर गढ़वाल विवि के शिक्षकों सहित छात्र-छात्राओं ने खुशी जाहिर की है। (एजेंसी)

यतेन्द्र प्रसाद गौड़ को मिली पी.एच.डी.(डाक्ट्रेट)की मानक उपाधि

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : जनता जूनियर हाईस्कूल लालढांग पौड़ी गढ़वाल में प्रधानाध्यापक पद पर कार्यरत यतेन्द्र प्रसाद गौड़ को ह्यहसन इंटरनेशनल विश्वविद्यालयह्न (जर्मनी) द्वारा पी.एच.डी.(डाक्ट्रेट) की उपाधि से विभूषित किया गया। श्री गौड़ को लोकभाषा साहित्य व लोकसंगीत व संस्कृति के क्षेत्र में पी.एच.डी.(डाक्ट्रेट) की मानक उपाधि मिली है।

गढ़वाली लोकभाषा साहित्य, संगीत एवं संस्कृति के क्षेत्र में निरंतर 20 वर्षों से उल्लेखनीय कार्य करने हेतु हसन इंटरनेशनल विश्वविद्यालय (जर्मनी) द्वारा यतेन्द्र प्रसाद गौड़ को पी.एच.डी.(डाक्ट्रेट) की उपाधि से विभूषित किया गया। दीक्षांत समारोह का आयोजन एअरोसिटी दिल्ली गुरुग्राम के ह्यहोलीडे इनह्न के सभागार में आयोजित किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि महर्षि महेश योगी वैदिक विश्वविद्यालय के कुलाधिपति गिरीश ब्रह्मचारी के कर कमलों द्वारा उन्हें ह्यप्रशस्ति पत्रह्न प्रदान किया गया तथा डा. प्रमोद राजपूत निदेशक द्वारा बैज अलंकरण किया गया। यतेन्द्र प्रसाद गौड़ मूल रुप से जनपद पौड़ी गढ़वाल के पट्टी अजमीर, सिमलना बिचला के मूल निवासी है और वर्तमान में जौनपुर कोटद्वार में निवास करते हैं। वर्तमान में वह जनता जूनियर हाईस्कूल लालढांग पौड़ी गढ़वाल में प्रधानाध्यापक पद पर कार्यरत हैं।

जागरूकता अभियान की तैयारियों को दिया अंतिम रूप

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : जिला सेवा प्राधिकरण पौड़ी ने 15 जून तक चलने वाले जागरूकता अभियान को लेकर शनिवार को बैठक कर तैयारियों को अंतिम रूप दिया। बैठक में पॉक्सो ऐक्ट, साइबर क्राइम और बच्चों से संबंधित अन्य कानूनों पर भी चर्चा की गई। सचिव अकरम अली ने बताया कि बच्चों की करियर काउंसलिंग सहित कैसे बच्चों को जुवेनाइल ऐक्ट के बारे में जागरूक किया जाए, इस पर भी काम करना होगा।

प्राधिकरण के सचिव अकरम अली की अध्यक्षता में हुई बैठक में महिला अधिकार एवं सशक्तिकरण और बच्चों के अधिकार एवं उनके संरक्षण पर कानूनी जागरूकता अभियान पर विस्तार से जानकारी दी गई। सचिव अकरम अली ने बताया कि स्कूलों में पॉक्सो ऐक्ट और बच्चों से संबंधित सभी कानूनों के संबंध में बताया जाए, ताकि बच्चे अपने अधिकारों के प्रति सजग रहें। उन्होंने बच्चों की तस्करी, घटते लिंगानुपात, बाल मजदूरी और बाल विवाह जैसे अपराधों की रोकथाम के प्रति भी बच्चों को शिक्षित करने पर जोर दिया। कहा कि नुक्कड़ नाटक, रेडियो टॉक शो, ड्राइंग स्लोगन प्रतियोगिता और अन्य माध्यमों से बच्चों और अन्य लोगों को कानूनों के प्रति जागरूक किया जाएगा। इस मौके पर डीपीओ देवेन्द्र थपलियाल, डिप्टी सीएमओ डा. पारुल गोयल, नायब तहसीलदार मेघा पंत, गीता, रविन्द्र कुमार, कुलदीप पंवार, आरएस नेगी आदि मौजूद रहे।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे सैन्य अभिलेखों में मेरी पुत्री का नाम प्रियंका (PRIYANKA) एवं जन्मतिथि 07-09-2021 दर्ज हो गई है, जो कि गलत है। जबकि मेरी का सही व वास्तविक नाम प्रिया नेगी (PRIYA NEGI) एवं जन्मतिथि 03-07-2002 है।

अतः मेरे सैन्य अभिलेखों में मेरी पुत्री का सही व वास्तविक नाम प्रिया नेगी (PRIYA NEGI) एवं जन्मतिथि 03-07-2002 अंकित की जाय।

आर्मी नंबर 4073683A दयाल सिंह पुत्र प्रताप सिंह निवासी ग्राम व पोस्ट मवाकोट, तहसील कोटद्वार, जिला पौड़ी गढ़वाल, उत्तराखण्ड।

(0185/21)

मिनिस्ट्रीयल संवर्ग को डीडीओ पावर देने पर भड़के शिक्षक

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : राजकीय शिक्षक संघ ने मिनिस्ट्रीयल संवर्ग के कार्मिकों को आहरण वितरण के अधिकार दिए जाने को लेकर अपना विरोध जताया है। शनिवार को पदाधिकारियों ने बैठक कर इस संबंध में विस्तार से चर्चा की। साथ ही स्कूलों की डीडीओ पावर शिक्षकों को नही देने पर नाराजगी जताई। बैठक में निर्णय लिया गया कि यदि विभाग इस तरह से शिक्षकों के साथ सौतेला व्यवहार करता है तो शिक्षकों को आंदोलन के लिए विवश होना पड़ेगा।संघ के जिलाध्यक्ष बलराज सिंह गुसाईं की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में पदाधिकारियों ने कहा कि एक ओर विभाग सालों से प्रधानाचार्य के पदों पर पदोन्नति की मांग को पूरा नही कर रहा है, वही दूसरी ओर आहरण वितरण की पावर भी मिनिस्ट्रीयल संवर्ग को देकर अब तक प्रभारी व्यवस्था के तहत स्कूलों के संचालन करने वाले शिक्षकों का मनोबल गिराने का काम किया जा रहा है। पदाधिकारियों ने कहा कि मिनिस्ट्रीयल संवर्ग से उनका कोई बैर नही है। लेकिन शिक्षकों के अपने अधिकार भी है। कहा कि जो प्रस्ताव बनाया गया है कि उसमें बीईओ और उप शिक्षाधिकारी के पद रिक्त होते है तो उनका चार्ज भी मिनिस्ट्रीयल संवर्ग को दिए जाने बात की जा रही है। यदि इसे वापस नही लिया जाता है तो शिक्षकों को विवश होकर आंदोलन का रास्ता अख्तियार करना पड़ेगा।

उत्तर रेलवे

आज़ादी का अमृत महोत्सव

ई-नीलामी

• मुरादाबाद मंडल से शुरू होने वाली ट्रेनों के 01 एस.एल.आरः

18478 (F-I) के पार्सल स्पेस को लीज पर 2 साल की अवधि के लिए लेने हेतु ई–नीलामी के तहत दिनांक **14.06.2024 (Timings: 10:00 am)** को बोली के माध्यम से आमंत्रित की जाएगी। इसके लिए विस्तृत नियम और शर्तें **www.ireps.gov.in** वेबसाइट पर ही उपलब्ध हैं। **1637/2024**

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

एक नजर

गोल्ड कप के फाइनल में पहुंचा कोलकाता

देहरादून। गोल्ड कप के दूसरे सेमीफाइनल में एएमएस कोलकाता ने हैदराबाद क्रिकेट एसोसिएशन को 09 विकेट से हराकर फाइनल में प्रवेश कर लिया है। महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स कॉलेज रायपुर में शनिवार को दोनों टीमों के बीच मैच खेला गया। हैदराबाद ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का निर्णय लिया था, लेकिन कोलकाता के गेंदबाज नासिर लोन ने फैसले पर पानी फेर दिया। नासिर ने 9.4 ओवर में 47 रन देकर हैदराबाद के छह अहम विकेट चटकाए। हैदराबाद ने पारास राज ने 37, नितीश ने 34 रन की बदौलत 34.4 ओवर में सभी विकेट खोकर 177 रन बनाए। कोलकाता के लिए दीपक पुनिया ने भी दो विकेट लिए। वहीं, लक्ष्य का पीछा करने उतरी कोलकाता की शुरुआत बेहतर रही। सलामी बल्लेबाज भारत शर्मा के नॉट आउट 84 रनों की बदौलत टीम ने 19.5 ओवर में 181 रन बनाकर नौ विकेट से जीत दर्ज की। कोलकाता के लिए हिमांशु राणा ने 58, दीपक पुनिया ने 33 रनों का योगदान दिया। हैदराबाद के लिए नितिन एक मात्र विकेट चटकाने में कामयाब रहे। बेहतरीन गेंदबाजी के लिए नासिर को मैन ऑफ द मैच चुना गया। रविवार को महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स कॉलेज में दिल्ली चैलेंजर्स और कोलकाता के बीच फाइनल मैच खेला जाएगा।

मसूरी में हल्की बारिश और तेज हवाओं से मौसम सुहावना

देहरादून। मसूरी में शनिवार दोपहर तेज गर्मी के बीच हल्की बारिश की फुहारों ने बड़ी राहत दी है। यहां बारिश के साथ तेज हवाएं चलने से मौसम सुहावना हो गया है। बड़ी संख्या में मसूरी पहुंचे पर्यटकों ने भी बदले मौसम का आनंद लिया। शनिवार दोपहर 12 बजे तक मसूरी में चटक धूप के बीच उमस भरी गर्मी महसूस की जा रही थी। लेकिन अचानक बदले मौसम में दोपहर बाद यहां बारिश शुरू हुई। जो थोड़ी देर तक रही। बारिश के बीच लोग सड़क पर चहल–कदमी करते हुए दिखे। पिछले कई दिनों से मसूरी में तापमान सामान्य से अधिक चल रहा है। कुछ देर की बारिश से तापमान में भी गिरावट दर्ज की गई है। वहीं, शाम चार बजे बाद फिर से मसूरी के आसमान में काले बादल छाने के साथ ही तेज हवाएं चलने लगी। इससे मसूरी के सुहावने मौसम में पर्यटक सड़कों पर घूमते नजर आए।

संविदा पर चल रही है उत्तराखंड सरकार : माहरा

देहरादून। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष करन माहरा ने अधिकारियों को सेवा विस्तार दिए जाने पर सवाल उठाते हुए कहा है कि प्रदेश सरकार इस समय पूरी तरह संविदा मोड में चल रही है।शनिवार को जारी बयान में माहरा ने कहा है कि प्रदेश में इस समय मुख्य सचिव, पीडब्लूडी चीफ, सिंचाई विभाग के प्रमुख अभियंता, उत्तराखण्ड जल विद्युत निगम के एमडी, उत्तराखंड पॉवर कॉरपोरेशन के एमडी, पिटकुल के प्रभारी एमडी, तकनीकी शिक्षा निदेशक सहित कई अधिकारियों को सेवा विस्तार दिया जा चुका है। उन्होंने कहा कि महत्वपूर्ण पदों के लिए अधिकारियों को सेवा विस्तार दिए जाने से अन्य अधिकारियों को मौका नहीं मिल पा रहा है। लेकिन सरकार सेवानिवृत्त अधिकारियों को सेवा विस्तार देकर नए लोगों का मनोबल गिरा रही है। उन्होंने कहा कि सेवा विस्तार की आड़ में कई विवादित अधिकारियों को भी संरक्षण दिया जा रहा है।

पुलिस ने 64 गुमशुदाओं को परिजनों से मिलाया

नई टिहरी : ऑपरेशन स्माइल की नोडल अधिकारी सीओ ओशिन जोशी ने बताया कि टिहरी पुलिस ने बीते एक माह में गुमशुदाओं को ढूंढने का काम तत्परता से किया है। एसएसपी नवनीत सिंह भुल्लर के नेतृत्व में चलाए गए ऑपरेशन स्माइल के तहत गठित पुलिस टीमों ने एक माह के भीतर 64 गुमशुदाओं को अपनों से मिलाने का काम किया गया है। बीती एक से 31 मई तक चलाए गए आपरेशन स्माइल के अंतर्गत 35 बालकों, 15 बालिकाओं, 11 महिलाओं और 3 पुरुषों को तलाश कर उन्हें अपनों से मिलाया गया।

खांखरखेत फेस्टिवल को लेकर उत्साह

चमोली : नारायणबगड़ के खांखरखेत में विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर एक दिवसीय खांखरखेत फेस्टिवल लगेगा। फेस्टिवल की तैयारियां जोरों पर हैं। खांखर खेत कौनपुरगढ़ धार्मिक पर्यटन विकास समिति के अध्यक्ष देवेंद्र सिंह रावत एवं सचिव रघुवीर सिंह बिष्ट ने बताया कि प्रथम बार हो रहे इस आयोजन को लेकर स्थानीय लोगों में खासा उत्साह है। (एजेंसी)

केदारपुरी सहित पैदल यात्रा मार्ग पर 800 केएलडी क्षमता के सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट होंगे तैयार

पीडब्ल्यूडी एवं पेयजल निगम तैयार कर रहे दो सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट प्लांट में जापानी तकनीकी का किया जा रहा इस्तेमाल

जयन्त प्रतिनिधि।

रूद्रप्रयाग : श्री केदारनाथ धाम यात्रा का स्वरूप लगातार बढ़ता जा रहा है इसी के मध्यनजर शासन एवं जिला प्रशासन स्तर से यात्रा को सुदृढ़ एवं सुव्यवस्थित करने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में केदारपुरी सहित पैदल यात्रा मार्ग पर 822 किलो लीटर प्रति दिन की क्षमता वाले सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) तैयार होने जा रहे हैं। 600 किलो लीटर प्रतिदिन की क्षमता वाला प्लांट केदारनाथ में तैयार हो रहा है, जबकि 222 किलोमीटर प्रतिदिन की क्षमता वाला प्लांट गौरीकुंड में तैयार हो रहा है। परियोजना प्रबंधक पेयजल निगम श्रीनगर गढ़वाल रविंद्र सिंह ने बताया कि नमामि गंगे कार्यक्रम के अंतर्गत गौरीकुंड क्षेत्र में 2022 में स्वीकृत सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट का निर्माण गतिमान है। प्लांट में जापानी तकनीक का इस्तेमाल किया जा रहा है। योजना के अंतर्गत 200 किलो लीटर प्रतिदिन की क्षमता का एसटीपी बनाया जा रहा है। वहीं 10 पुरुष एवं पांच महिला शौचालय भी निर्मित होने हैं। जिनके शोधन हेतु 10 किलो लीटर प्रतिदिन क्षमता वाला एसटीपी प्रस्तावित है। वहीं पूर्व से गौरीकुंड में स्थित सुलभ इंटरनेशनल के शौचालयों के शोधन के लिए 12 किलो लीटर प्रतिदिन का एसटीपी भी बनाया जाना है। जिसके तहत 500 मीटर सीवर लाइन भी बिछाई जानी है जिसमें से 488 मी सिविल लाइन बिछाई जाने का कार्य पूर्ण हो चुका है। इसके अलावा यात्रा मार्ग के महत्पूर्ण पड़ाव तिलवाड़ा में भी 100 किलो लीटर प्रतिदिन की क्षमता वाले सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट का निर्माण कार्य प्रतिमान है। बताया कि गौरीकुंड एवं तिलवाड़ा योजना की कुल लागत 23.37 करोड रुपए है। जिसमें दोनों ट्रीटमेंट प्लांट का 15 वर्षों के लिए रखरखाव भी शामिल है। उधर अधिशासी अभियंता सिविल वृत्त डीडीएमए विनय झिंक्वाण ने बताया कि करीब 600 किलो लीटर प्रतिदिन शोधन की क्षमता वाला सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट आठ करोड़ की लागत से केदारनाथ में तैयार होने जा रहा है जिसका 55 फीसदी से अधिक कार्य पूर्ण हो चुका है।

हरिपुरकलां में पेयजल संकट गहराया

ऋषिकेश। हरिपुरकलां में गर्मी बढ़ने के बाद से लगातार जल संकट गहराता जा रहा है। चार में से तीन बोरिंग पूरी तरह सूख गई हैं। जबकि एकमात्र बोरिंग से गंदा पानी लोगों के घरों में पहुंच रहा है। शनिवार को हरिपुरकलां के ग्रामीणों ने जेई अशोक कुमार के माध्यम से जल संस्थान ऋषिकेश के अधिशासी अभियंता को ज्ञापन दिया। समाजसेवी धर्मेंद्र मोहन ग्वाड़ी ने कहा कि हरिपुरकलां में एकमात्र चालू बोरिंग पम्प हाउस से गंदा पानी सप्लाई हो रहा है। घरों में आ रहे इस पानी में कीड़े व गंदगी आ रही है। लोग मजबूर होकर इस पानी का इस्तेमाल कर रहे हैं। ऐसे में गंदे पानी के सेवन से संक्रामक बीमारियों के फैलने का खतरा बना हुआ है। ग्रामीणों ने पूर्व में भी संस्थान को इसके लिए आगाह किया था, लेकिन उनकी एक नहीं सुनी गई। उन्होंने चेताया कि विभाग ने जल्द ही इसकी सुध नहीं ली तो वे आंदोलन को बाध्य होंगे।

वित्तीय प्रभार मिनिस्ट्रियल कर्मियों को देने से शिक्षकों में रोष

विकासनगर। प्रधानाचार्य विहीन माध्यमिक विद्यालयों में वित्तीय प्रभार मिनिस्टीरियल कर्मियों को दिए जाने की कवायद से शिक्षकों का पारा चढ़ गया है। इसे शिक्षक खुद के आत्मसम्मान पर चोट बता रहे हैं। शनिवार को राजकीय शिक्षक संघ की ब्लॉक इकाई ने ऑनलाइन बैठक कर इस कवायद का विरोध करते हुए जनपदीय अध्यक्ष को ज्ञापन भेजकर जल्द उचित कदम उठाने की बात कही। ब्लॉक अध्यक्ष सुधीर कांति ने कहा कि अधिकांश विद्यालयों में प्रधानाचार्य और प्रधानाध्यापक के पद रिक्त हैं। विद्यालय के वरिष्ठ अध्यापक प्रभारी प्रधानाचार्य के तौर पर काम कर रहे हैं। ऐसे में विद्यालयों में आहरण वितरण का प्रभार खंड शिक्षाधिकारी के पास होता है। अब खंड शिक्षाधिकारी की गैर मौजूदगी में ये प्रभार मिनिस्टीरियल कर्मचारियों को दिए जाने का प्रस्ताव शिक्षा विभाग की ओर सरकार को भेजा गया है। उन्होंने कहा कि कुछ दिन पूर्व शिक्षा विभाग के आला अधिकारियों ने प्रभारी प्रधानाचार्य को राजपत्रित अधिकारी का दर्जा देकर आहरण वितरण अधिकारी बनाने की बात कही थी, लेकिन अब इसके विपरीत निर्णय लिया गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि विभागीय अधिकारियों की ये कवायद शिक्षकों के आत्म सम्मान पर चोट है। इसका पुरजोर विरोध किया जाएगा। कहा कि, अधिकारी लगातार शिक्षकों के हितों पर कुठाराघात कर रहे हैं। प्रधानाचार्य के शत–प्रतिशत पदोन्नति के पद पर सीधी भर्ती करने का निर्णय लिया गया है, जिसका सीधा प्रभाव शिक्षकों पर पड़ेगा। विभाग के इस निर्णय का भी विरोध किया गया। कहा कि अधिकारियों ने तानाशाही पूर्ण रवैया अख्तियार किया हुआ है। राजकीय शिक्षक संघ के ब्लॉक अध्यक्ष ने कहा कि विभागीय अधिकारी सीधे शिक्षकों के आत्मसम्मान पर चोट करने की कोशिश कर रहे हैं, इसे किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

14 जून से शुरू होंगे आवासीय खेल छात्रावासों के लिए ट्रायल

देहरादून। खेल विभाग की ओर से संचालित हो रहे आवासीय छात्रावासों के लिए 2024–25 के चयन ट्रायल 14 जून से शुरू हो जाएंगे। प्रभारी जिला क्रीड़ा अधिकारी निधि बिंजोला ने बताया कि ट्रायल के लिए खिलाड़ियों की आयु एक जुलाई 2024 को 16 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए। उन्होंने बताया कि इसके तहत 14–15 जून को जनपद स्तर के लिए फुटबॉल बालक/बालिका, बॉक्सिंग बालक/बालिका का ट्रायल पवेलियन ग्राउंड देहरादून, एथलेटिक्स बालक/बालिका, वालीबॉल बालक, क्रिकेट बालक का ट्रायल परेड ग्राउंड, बैडमिंटन बालक/बालिका का ट्रायल न्यू मल्टीपरपज हॉल परेड ग्राउंड और हॉकी बालिका का ट्रायल महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स कॉलेज देहरादून में होगा। वहीं, राज्य स्तर के लिए के लिए 18 और 19 जून को फुटबॉल बालक/बालिका का ट्रायल पवेलियन ग्राउंड देहरादून, बॉक्सिंग बालक/बालिका का ट्रायल स्पोर्ट्स स्टेडियम टनकपुर चंपावत, एथलेटिक्स बालक/बालिका का ट्रायल महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स कॉलेज देहरादून, बैडमिंटन बालक/बालिका ट्रायल इंडोर स्टेडियम कंडोलिया पौड़ी, हॉकी बालिका का ट्रायल वंदना कटारिया स्टेडियम हरिद्वार, वालीबॉल बालक का ट्रायल स्पोर्ट्स स्टेडियम गोपेश्वर और क्रिकेट बालक का ट्रायल महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स कॉलेज देहरादून में लिया जाएगा।

गलत दिशा में वाहन चलाने पर 160 वाहनों के चालान

देहरादून। संभागीय परिवहन विभाग ने शनिवार को शहर भर में गलत दिशा में वाहन चलाने वाले वाहनों के खिलाफ अभियान चलाया। विभाग की चार टीमों ने 160 वाहनों के चालान किए। सभी का निस्तारण न्यायालय से होगा। इसके साथ ही ड्राइवरों के ड्राइविंग लाइसेंस तीन महीने के लिए सस्पेंड करने की कार्रवाई भी शुरू कर दी है।

आरटीओ (प्रवर्तन) शैलेश तिवारी ने बताया कि गलत दिशा में वाहन चलाना खतरनाक होता है। ज्यादातर हादसे इसी वजह से हो रहे हैं। बताया कि ऐसे वाहनों के खिलाफ शुक्रवार को जीएमएस रोड, हरिद्वार रोड और राजपुर रोड क्षेत्र में एआरटीओ प्रवर्तन राजेंद्र विराटिया, परिवहन कर अधिकारी अनुराधा पंत, श्वेता रौथाण और जितेंद्र बिष्ट के नेतृत्व में चेकिंग अभियान चलाया गया। इस दौरान 160 वाहनों के चालान किए गए।

भारत के पहले खगोल पर्यटन अभियान "नक्षत्र सभा" का उद्घाटन

एस्ट्रो टूरिज्म से प्रदेश में होगा बहुआयामी पर्यटन का विकास : धामी

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : उत्तराखण्ड में पर्यटन की अपार संभावनाओं के दृष्टिगत एस्ट्रो टूरिज्म को बढ़ावा दिये जाने के उद्देश्य से पर्यटन विभाग द्वारा एस्ट्रो टूरिज्म कंपनी के सहयोग से 'नक्षत्र सभा' का जॉर्ज एवरेस्ट मसूरी में विधिवत उद्घाटन हो गया है। यह अपने आप में अलग किस्म का आयोजन है, देश में पहली बार एस्ट्रो टूरिज्म की थीम पर ह्लनक्षत्र सभाह्व आयोजन किया गया है। यह आयोजन 2 जून तक चलेगा।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के विजन के अनुरूप प्रदेश में धार्मिक पर्यटन के अलावा बहुआयामी पर्यटन गतिविधियों बढ़ावा देने के दृष्टिगत पर्यटन विभाग ने यह पहल की है। मुख्यमंत्री श्री धामी ने पर्यटन विभाग द्वारा आयोजित ह्लनक्षत्र सभाह्व के सफल आयोजन के लिए शुभकामना दी हैं। मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि प्रदेश में बहुआयामी पर्यटन के दृष्टिगत सरकार अन्य संसाधन भी विकसित कर रही है। कहा कि सरकार ग्रीन टूरिज्म को बढ़ावा देने के दृष्टिगत विभिन्न प्रयास कर रही है। प्रदेश में धार्मिक पर्यटन के अलावा साहसिक पर्यटन, वेलनेस टूरिज्म, एस्ट्रो टूरिज्म पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार प्रदेश के विभिन्न स्थानों पर एस्ट्रो विलेज स्थापित कर रही है। पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज ने कहा कि सरकार का प्रयास है प्रदेश में जो भी पर्यटक आते हैं वो एक बेहतर अनुभव ले के जायें। कहा कि प्रदेश में नए-नए पर्यटक स्थलों को विकसित करने पर जोर दिया जा रहा है। इस आयोजन का उद्घाटन समारोह जॉर्ज एवरेस्ट, मसूरी में आर्यभट्ट प्रेक्षण विज्ञान शोध संस्थान के निदेशक डॉ. दीपांकर बनर्जी, डॉ. प्रभास पांडे, आकाश सिन्हा, आदि मौजूद थे।

बिजली कटौती व बिजली बिल में बढ़ोत्तरी के खिलाफ किया प्रदर्शन

देहरादून। कांग्रेस व्यापार प्रकोष्ठ से जुड़े व्यापारियों ने बिजली कटौती के साथ ही बिजली बिल में बढ़ोत्तरी के खिलाफ शनिवार को प्रदर्शन किया। डिस्पेंसरी रोड पर एकत्रित हुए व्यापारियों ने नाराजगी जताते हुए नारेबाजी की। प्रदर्शन में कांग्रेस नेता भी शामिल हुए। प्रदर्शन के दौरान व्यापारी नेताओं ने कहा कि बढ़ती गरमी के बीच बिजली कटौती से लोग बेहाल हैं। कारोबारियों को भी कटौती का खामियाजा भुगतना पड़ रहा है और इससे व्यापार प्रभावित हो रहा है। प्रदर्शन में पहुंचे पूर्व विधायक राजकुमार ने कहा कि एक तरफ अघोषित कटौती चल रही है तो दूसरी तरफ बिजली के दाम बढ़ाकर आम लोगों पर बोझ डाला जा रहा है। कांग्रेस के पूर्व महानगर अध्यक्ष लालचंद शर्मा ने कहा कि सरकार हर मोर्चे पर विफल रही है। वह वनाग्नि हो या फिर चारधाम यात्रा। अब गर्मी बढ़ी तो बिजली के साथ पानी संकट से निपटने तक का इंतजाम नहीं किया जा रहा है। कांग्रेस व्यापार प्रकोष्ठ के अध्यक्ष सुनील बांगा ने कहा कि व्यापारी दोहरी परेशानी झेल रहे हैं। बिजली कटौती और बिली बढ़ोत्तरी से हर कोई परेशान है। प्रदर्शन में महानगर व्यापार प्रकोष्ठ उपाध्यक्ष राजेश मित्तल, पार्षद अर्जुन सोनकर, दीप वोहरा, आशु रतूड़ी, पलटन बाजार व्यापार प्रकोष्ठ अध्यक्ष राहुल कुमार, उपाध्यक्ष प्रवीण बांगा, डिस्पेंसरी रोड व्यापार प्रकोष्ठ महासचिव अजीत सिंह, राहुल शर्मा, राम कपूर, नरेश कुमार, आमिर खान, राजेंद्र सिंह घई, इमरान, तारा सचदेवा, अनस खान, भरत राव, गुलशन, मुश्ताक अली, चमन लाल समेत अन्य मौजूद रहे।

रोडवेज करेगा आईएसबीटी के प्रवेश शुल्क में छूट की मांग

देहरादून। रोडवेज प्रबंधन पर आईएसबीटी में उत्तराखंड की बसों को प्रवेश शुल्क बढ़ोत्तरी में छूट देने की मांग करेगा। प्रबंधन ने एमडीडीए के पत्र तैयार कर दिया है। यदि एमडीडीए प्रवेश शुल्क बढ़ोत्तरी में छूट देता है, इसका सीधा फायदा यात्रियों को भी होगा, रोडवेज किराया में इजाफा नहीं करेगा। एमडीडीए ने एक महीने पहले आईएसबीटी पर प्रवेश शुल्क बढ़ा दिया था। तब रोडवेज कर्मचारियों ने इसका विरोध किया। कर्मचारियों के विरोध के बाद एमडीडीए ने इसे स्थगित कर दिया था। अब छह जून से फिर से प्रवेश शुल्क बढ़ाने की तैयारी चल रही है। वहीं, रोडवेज भी प्रवेश शुल्क बढ़ने के बाद यात्री किराया बढ़ाने की तैयारी कर रहा है। यात्रियों पर किराया का बोझ ना बढ़े इसके लिए एमडीडीए से शुल्क बढ़ोत्तरी में छूट की मांग की जा रही है। महाप्रबंधक (संचालन) दीपक जैन ने बताया कि एमडीडीए के लिए पत्र तैयार कर लिया है, यदि प्रवेश शुल्क नहीं बढ़ता है तो किराया में भी इजाफा नहीं किया जाएगा।

मिनिस्ट्रीयल कर्मियों के अधिकार बढ़ाने की तैयारी पर प्रधानाचार्यों और शिक्षकों का पारा चढ़ा

देहरादून। शिक्षा विभाग के मिनिस्ट्रीयल कर्मचारियों के अधिकार बढ़ाने के फैसले पर प्रधानाचार्यों और शिक्षकों का पारा चढ़ गया। शनिवार को राजकीय शिक्षक संघ ने शिक्षा महानिदेशालय में डीजी–शिक्षा बंशीधर तिवारी को ज्ञापन देते हुए कड़ी आपत्ति दर्ज कराई। कहा कि यदि स्कूलों में डीडीओ का अधिकार, बीईओ और उपशिक्षा अधिकारी का चार्ज मुख्य प्रशासनिक अधिकारियों को दिया गया तो इसका कड़ा विरोध किया जाएगा। प्रधानाचार्य परिषद ने डीजी–शिक्षा से इस प्रस्ताव पर पुनर्विचार करने की मांग की है। शिक्षा महानिदेशालय ने मिनिस्ट्रीयल कर्मियों के अधिकार बढ़ाने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। इसके तहत मुख्य प्रशासनिक अधिकारी को पूर्णकालिक प्रधानाध्यापक व प्रधानाचार्य विहीन स्कूलों में मुख्य प्रशासनिक अधिकारी को डीडीओ का चार्ज देने का निर्णय किया गया है। साथ ही ब्लॉक स्तर पर बीईओ व उपशिक्षा अधिकारी का पद रिक्त अथवा उनके अवकाश पर होने पर भी मुख्य प्रशासनिक अधिकारी को चार्ज देने पर सहमति दे दी है। इसे लागू करने के लिए शासन से अनुमति ली जा रही है। इन फैसलों से शिक्षकों में काफी नाराजगी है। सुबह से ही सोशल मीडिया पर कड़ा विरोध किया जा रहा है। दोपहर शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष राम सिंह चौहान और महामंत्री रमेश चंद्र पैन्यूली ने ननूरखेड़ा स्थित शिक्षा महानिदेशालय में डीजी से मुलाकात कर ज्ञापन दिया। उन्होंने कहा कि कुछ स्थानों पर मिनिस्ट्रीयल कर्मचारी औचक जांच भी कर रहे है। यह बहुत ही गलत फैसला है। यदि इसे निरस्त न किया गया तो शिक्षक आंदोलन करने को मजबूर हो जाएंगे।

यात्रा रूट पर बिना रजिस्ट्रेशन चल रहे सौ से ज्यादा होटल–रेस्टोरेंट को नोटिस भेजा

देहरादून। चारधाम यात्रा रूट पर बिना रजिस्ट्रेशन चल रहे सौ से ज्यादा होटल–रेस्टोरेंट को पीसीबी ने नोटिस भेज दिया है। इनमें से 20 को सीलिंग और बाकी प्रतिष्ठानों को एनओसी लेने की हिदायत दी गई है। आरोप है कि सीजन में मोटी कमाई के चक्कर में धड़ल्ले से होटल–ढाबे और रेस्टोरेंट तो खोले जा रहे हैं, लेकिन मानकों की खुलेआम अनदेखी भी की जा रही है। यात्रा रूट पर सीजन के करीब छह महीने ही होटल–ढाबे और रेस्टोरेंट के संचालक सालभर जितनी कमाई कर लेते हैं। इनके लिए मानकों को पूरी तरह दरकिनार किया जाता है। आरोप है कि वे एसटीपी, वाटर ट्रीटमेंट प्लांट सहित पीसीबी के तमाम दिशा–निर्देशों का पालन तक नहीं करते। क्योंकि, सीजन खत्म होते ही इनका काम भी बंद हो जाता है। लेकिन, अब ऐसे सौ से अधिक होटल–ढाबे और रेस्टोरेंट को पीसीबी ने नोटिस जारी कर दिए हैं।

पचास लाख तक लग सकता है जुर्माना : हर उद्योग या व्यवसायिक गतिविधि के लिए पीसीबी से संचालन की अनुमति लेनी होती है। जिसके आधार पर उनको केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की गाइडलाइनों को पालन करना होता है। बिना एनओसी वाले उद्योग,होटल या अन्य व्यवसायिक संस्थान इनका पालन नहीं करते। जिसमें पचास लाख तक का जुर्माना भी उन पर लग सकता है।यात्रा रूट में बड़ी संख्या में होम स्टे चल रहे अवैध : बड़ी संख्या में इन जिलों में होम स्टे बिना एनओसी के चल रहे हैं। जिनमें वाटर और एयर एक्ट का उल्लंघन हो रहा है। जिसकी पीसीबी ने जांच शुरू कर दी है। सदस्य सचिव डा. पराग मधुकर धकाते ने बताया कि ऐसे होम स्टे को भी चिन्हित किया जा रहा है। जल्द ही उनको भी नोटिस दिए जाएंगे। चारधाम के अलावा ज्यादा पर्यटन वाले जिलों में भी कार्रवाई की जाएगी। चारधाम यात्रा रूट पर अनुमति के बिना बड़ी संख्या में होटल–ढाबे और रेस्टोरेंट चल रहे हैं, जहां पीसीबी के मानकों का पालन नहीं किया जा रहा है। ऐसे प्रतिष्ठान जल और वायु प्रदूषण भी फैला रहे हैं।

समर कैंप का आयोजन किया

ऋषिकेश। पुष्पा बडेरा सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में तीन दिवसीय समर कैंप का शुभारंभ शनिवार को हुआ। पहले दिन छात्र छात्राओं ने योग, व्यायाम, नृत्य, गीत, स्वच्छता, खेल, आदि की बारीकियां सीखीं। शनिवार को ढालवाला स्थित पुष्पा बडेरा सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में तीन दिवसीय समर कैंप का आयोजन किया गया। जिसका शुभारंभ मुख्य अतिथि संगीत शिक्षिका सुरक्षा गोयल और प्रधानाचार्य विजय बड़ोनी ने किया। सुरक्षा गोयल ने कहा कि संगीत को सीखना एक साधना के समान हैं। छात्रों के अंदर कई प्रतिभायें होती हैं, उनको पहचान कर उनका प्रयोग करना अति आवश्यक है। उन्होंने छात्रों को संगीत के स्वरों के बारे में जानकारी प्रदान की।

मसूरी ओक ग्रोव स्कूल ने धूमधाम से मनाया स्थापना दिवस

देहरादून। मसूरी के प्रतिष्ठित ओक ग्रोव स्कूल का 137वां स्थापना दिवस शनिवार को धूमधाम से मनाया गया। रेलवे बोर्ड की अध्यक्ष और सीईओ जया वर्मा सिन्हा ने स्कूल का झंडा फहराकर समारोह का शुभारंभ किया। इस मौके पर छात्र–छात्राओं ने विभिन्न कार्यक्रमों के जरिए अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। मुख्य अतिथि रेलवे बोर्ड की चेयरमैन जया वर्मा सिन्हा ने मार्च पास्ट की सलामी ली और फिर नवनिर्मित छात्रावास, विज्ञान कला एवं शिल्प प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। उन्होंने छात्रों की प्रतिभा की सराहना की और कहा कि वह हमेशा बेहतर और उत्कृष्ट करने का प्रयास करते रहें। अपनी जिम्मेदारियों को समझते हुए एक अलग मुकाम के लिए कठिन परिश्रम करें। प्रधानाचार्य नरेश कुमार ने स्कूल की उपलब्धियों बताईं। शिक्षा और खेल में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों को भी पुरस्कृत किया। छात्रों ने गीत, नृत्य, बैंड प्रदर्शन, पिरामिड, क्षेत्रीय नृत्य और कराटे की प्रस्तुति दीं। स्कूल की प्रतिष्ठित ट्रॉफी अंकिका कप पटेल हाउस और मीराबाई हाउस ने जीता। शैक्षणिक क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ छात्रों की ट्रॉफी सार्थक सक्सेना, शुभांगी सिंह और अर्नव प्रताप सिंह को दी गई। सबसे अधिक रचनात्मक छात्र और छात्रा का खिताब विशाल प्रसाद और प्रियांशी के नाम रहा। खेलों में स्वरित कुमार और शगुन मंडल को सम्मानित किया गया। सर्वश्रेष्ठ विद्वान की ट्रॉफी सिद्धि यादव, वसुंधरा कुमारी और आरव प्रधान को दी गई। प्रभा जुत्शी मेमोरियल ट्रॉफी कशिश प्रधान और मीमांसा विभूति ने हासलि की। साथ ही सीबीएसई बोर्ड परीक्षा में 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले सभी छात्रों को भी सम्मानित किया गया। इस मौके पर रेलव के प्रिंसिपल चीफ पर्सनल ऑफिसर सुजीत कुमार मिश्रा ने सभी का आभार जताया। इस मौके पर महाप्रबंधक उत्तर रेलवे सोभन चौधरी, सन्नीति चौधरी, विजय प्रताप सिंह, मनीषा सिंह, राज कुमार सिंह, सविता, डॉ. लीना रॉय, विनय कुमार, कुसुम कंबोज, धर्य नागपाल, विपुल रावत, डॉ. अतुल कुमार सक्सेना, आरके नागपाल, अनुपम सिंह, एसके रजा, प्रत्वेश कुमार, मनीषा शर्मा, अर्चना शंकर, प्रीति लाकड़ा, रंजीत शी, जीडी रतूड़ी, शादाब आलम, अभिषेक रावत, योगेश नौटियाल, अपूर्वा जोशी, प्रमोद धामा, सलीम अहमद, प्रमोद कुमार समेत अन्य मौजूद रहे।

विश्व तंबाकू निषेध दिवस के उपलक्ष्य में हुई विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित

ऋषिकेश। सीमा डेंटल कॉलेज एवं हॉस्पिटल में विश्व तंबाकू निषेध दिवस के उपलक्ष्य में शनिवार को विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। पोस्टर मेकिंग और फ्लेक्स डिजाइनिंग में बीडीएस तृतीय वर्ष और थ्री डी मॉडल मेकिंग में बीडीएस चतुर्थ वर्ष की टीम अव्वल रही। शनिवार को विश्व तंबाकू निषेध दिवस के उपलक्ष्य में सीमा डेंटल कॉलेज एवं हॉस्पिटल में विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित हुई। संस्थान के छात्र छात्राओं ने पोस्टर मेकिंग, फ्लेक्स डिजाइनिंग और थ्री डी मॉडल मेकिंग प्रतियोगिता में बढ़ चढ़कर शिरकत की। पोस्टर मेकिंग में बीडीएस तृतीय वर्ष के छात्र प्रथम रहे। फ्लेक्स डिजाइनिंग में बीडीएस तृतीय वर्ष के छात्र प्रथम रहे और थ्री डी मॉडल मेकिंग प्रतियोगिता में बीडीएस चतुर्थ वर्ष के छात्रों ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। संस्थान के अध्यक्ष डॉ. अमित गुप्ता, प्रिंसिपल डॉ. पी नारायण प्रसाद और एनेस्थीसिया में एमडी डॉ. प्रीति बाली ने विजेताओं को पुरस्कृत2 किया और प्रमाण पत्र वितरित किए। प्रतियोगिता के निर्णायक डॉ. कल्पना चौधरी, डॉ. वरुण कुमार एवं डॉ. तरूण शर्मा रहे। मौके पर डॉ. अवनीश सिंह, डॉ. ज्योत्सना सेठ, डॉ. वैष्णवी प्रसाद आदि उपस्थित रहे।

गांव तक पहुंची जंगल की आग को लोगों ने बुझाया

विकासनगर। विकासखंड कालसी के बाढौ गांव के आसपास के जंगल बीते दो दिनों से धधक रहे हैं। शनिवार को जंगल की आग बाढौ गांव तक पहुंच गई। गांववासियों ने मिलकर बामुश्किल आग पर काबू पाया। जौनसार–बावर के जंगलों में लगातार आग की घटनाएं बढ़ती जा रही हैं। शनिवार को जंगल की आग बाढौ गांव में पहुंच गई। इस पर गांववासियों ने एकजुट होकर भीगे हुए बोरे, पत्तों की टहनियों की सहायता से आग पर काबू पाया। हवा के दबाव में आग काफी फैल गई थी। परंतु सजगता और सक्रियता के करण ग्रामीण गांव और आसपास के जंगलों को बचाने में सफल रहे। स्थानीय निवासी रणवीर सिंह ने कहा है कि जैसे ही गांव के बगल में धुआं दिखाई दिया समस्त गांव के युवा एकजुट होकर घटनास्थल पर पहुंचे और आग को बुझाने का प्रयास किया और कुछ ही समय बाद आग पर काबू पा लिया गया। स्थानीय निवासी शमशेर सिंह ने कहा कि यदि आग पर काबू नहीं पाया जाता तो आसपास के जंगलों सहित गांव भी जलकर राख हो जाता। भारत चौहान ने कहा कि गांव के इर्द–गिर्द कूड़ा करकट, लकड़ियां, घास फूस आदि एकत्रित होता है। इससे आग फैलती है। गर्मी के मौसम में सावधानी बरतनी चाहिए। आग बुझाने वालों में गंभीर सिंह, जसपाल चौहान, भोपाल सिंह, मायाराम, रोहित चौहान, बहादुर सिंह, संतराम, केसर सिंह, डबलू चौहान, रविंद्र चौहान, आशीष चौहान, तेरपन सिंह, बहादुर सिंह, शमशेर सिंह, चमन सिंह सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण शामिल रहे।

जयन्त
संस्थापक
स्व.नरेन्द्र उनियाल
प्रकाशक,मुद्रक और स्वामी
नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस से मुद्रित तथा बद्रीनाथ मार्ग कोटद्वार (गढ़वाल) से प्रकाशित
–सम्पादक
नागेन्द्र उनियाल
आर.एन.आई. 35469/79
फोन/फैक्स 01382–222383
मो. 8445596074, 9412081969
e-mail:
nagendra.uniyal